



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 42]
No. 42]

नई दिल्ली शनिवार, अक्टूबर 17, 1981/अश्विन 25, 1903
NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 17, 1981/ASVINA 25, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (I) PART II—Section 3—Sub-section (I)

(रक्षा मंत्रालय की छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों की छोड़कर)
केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम
(जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उपनियम आदि सम्मिलित हैं)

General Statutory Rules (including Orders, Bye-laws etc. of a general character) issued
by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and
by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories)

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मंत्रालय (विधि कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 26 अगस्त, 1981

सा० का० नि० 923 :—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुक्त द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, विधि और न्याय (विधि कार्य विभाग और विधायी विभाग) स्टाफ कार चालक भर्ती नियम, 1971 को अधिकांश करते हुए, विधि, न्याय और कम्पनी कार्य (विधि कार्य विभाग और विधायी विभाग) मंत्रालय में स्टाफ कार चालकों के पद पर भर्ती की पद्धति का विनियम करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् :—

1. संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ :—(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम विधि, न्याय और कम्पनी कार्य (विधि कार्य विभाग और विधायी विभाग) मंत्रालय स्टाफ कार चालक भर्ती नियम, 1981 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. संख्या, वर्गीकरण और वेतनमान :—उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका वेतनमान वे होंगे, जो इन नियमों से उपाखण्ड अनुसूची के स्तम्भ 2 में 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अन्य ग्रहणार्थ :—उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, ग्रहणार्थ और उससे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 5 में 13 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरहताएं :—वह व्यक्ति—

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति से, जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा :

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनुम्य है और ऐसा करने के लिए अन्य आधार है तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी ।

5. शिथिल करने की शक्ति :—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उसके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके इन नियमों के किसी उपबंध को किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों को बाबत, आदेश द्वारा शिथिल कर सकेगी ।

6. व्यावृत्ति :—इन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों, आयु-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस संबंध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्गों के व्यक्तियों के लिए उपबंध करना अपेक्षित है ।

विधि, न्याय और कंपनी कार्य (विधि कार्य विभाग और विधायी विभाग) मंत्रालय में स्टाफ कार चालक के पद पर भर्ती नियम की

अनुसूची

पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सेवा में जोड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्रीय शिथिल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनु-लेय है या नहीं	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	6क	7
स्टाफ कार चालक	7* माधारेण केन्द्रीय सेवा, समूह 'ग' अराजपत्रित प्रतियुक्तवर्गीय	260-6-290-४० रो०-6-326-8-366-४० रो०-8-390-10-400	लागू नहीं होता	लागू नहीं होता	21 और 30 वर्ष के बीच (सरकारी सेवकों के लिए केन्द्रीय सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों और आदेशों के अनुसार शिथिल करके 35 वर्ष तक की जा सकती है)	लागू नहीं होता	आवश्यक : मोटर कार की विधिमान्य चालन अनुज्ञप्ति, मोटर क्रियाविधि का ज्ञान हो और मोटर चालने का कम से कम 5 वर्ष का अनुभव । वाछनीय : आठवां स्तर उत्तीर्ण ।
					टिप्पण :—आयु सीमा अवधारित करने के लिए निम्नलिखित तारोख, प्रत्येक मामले में भारत में रहने वाले अल्प-वियों से (उनसे भिन्न जो अन्धमान और निकोबार द्वीप तथा लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियम की गई अंतिम तारीख होगी ।		

*कार्यभार के आधार पर परिवर्तन किया जा सकता है ।

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक प्रवृत्तियों प्रोत्तति की वक्षा में लागू होगी या नहीं	परिक्षा की अवधि, भर्ती की पद्धति/सर्ती सीधे होगी या प्रोत्तति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती किए जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोत्तति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेणियाँ जिनमें प्रोत्तति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय, प्रोत्तति समिति है उसकी संरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
---	--	--	---	---

8	9	10	11	12	13
लागू नहीं होता	दो वर्ष	स्थानान्तरण द्वारा, जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	विधि कार्य विभाग और विधायी विभाग के उन नियमित सवार हकदारों (डिस्पेंच राइडर) और कार चालकों में से जो निम्न श्रेणी और निम्न श्रेणी के अन्य समूह "ग" कर्मचारियों और समूह "ख" में के जो स्तम्भ 7 में विहित प्रवृत्तियाँ रखते हैं, कार चालने की एसी जांच परीक्षा जो, स्टाफ कार चालकों में अनिवार्य समझी जाने वाली क्षमता के स्तर के प्रतिनिर्देश के उपयुक्तता की जांच करने के प्रयोजन से ली गई है, के परिणाम के आधार पर स्थानान्तरण द्वारा और जिनके न हो सकने पर अन्य मंत्रालयों या विभागों में स्टाफ कार चालकों के पद धारण करने वाले व्यक्तियों के स्थानान्तरण द्वारा।	समूह "ग" विभागीय प्रोत्तति समिति में निम्नलिखित होंगे : (i) विधायी विभाग के साधारण प्रशासन का सहायक सचिव (ii) उप-सचिव (स्थापना) विधि कार्य विभाग —सदस्य (iii) सहसंयुक्त सदस्य जो अधिमार्ग्यतः अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का प्रवर सचिव/महायुक्त विधायी काउन्सेल के रैंक का हो —सदस्य	लागू नहीं होता

[सं० ए. 12018/1/81-प्रशा. I (वि. का.)]

एन० के० सेठ, उप सचिव

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS (Department of Legal Affairs)

New Delhi, the 26th August, 1981

G.S.R. 923.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Ministry of Law and Justice (Department of Legal Affairs and Legislative Department) Staff Car Driver Recruitment Rules, 1971, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to the post of Staff Car Drivers in the Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Department of Legal Affairs and Legislative Department), namely :—

1. Short title and commencement :—(1) These rules may be called the Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Department of Legal Affairs and Legislative Department) Staff Car Driver Recruitment Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. Number, classification and scale of pay :—The number of the said post, its classification and scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of Recruitment, age limit and other qualifications :—The method of recruitment, age limit, qualifications

and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 13 of the said schedule.

4. Disqualifications :—No person—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person;

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax :—Where the Central Government is of the opinion that it is necessary or expedient so to do, it may, by order, for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving :—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age-limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment Rules for the Post of Staff Car Driver in the Ministry of Law, Justice and Company Affairs (Department of Legal Affairs and Legislative Department)

Name of the post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection post or Non-selection post	Age-limit for direct recruit	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the CCS (Pension) Rule, 1972	Educational & other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	6(a)	7
Staff Car Driver	*7	General Central Service-Group "C" Non-gazetted Non-Ministerial	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8-366-EB-8-390-10-400	Not applicable	Between 21 and 30 years (relaxable upto 35 years in case of Government servants in accordance with the instructions or orders issued by the Central government Note:—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in Andamans and Nicobar Island, and Lakshadweep)	Not applicable.	Essential : Possession of a valid driving licence for motor cars, knowledge of motor mechanism and experience of driving a motor car for atleast five years. Desirable : A pass in the 8th standard.
Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotions	Period of probation, if any	Method of recruitment/whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/deputation/transfer, grad from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition	what	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment	
8	9	10	11	12	13		
Not applicable	Two years	By transfer failing which by direct recruitment	By transfer on the result of a test in driving designed to adjudge suitability for the post with reference to the standard of competence considered essential in drivers of staff cars from amongst regular despatch riders and regular staff car drivers in the lower grade as well as other group "C" employees in the lower grade and Group 'D' employees of the Department of Legal Affairs and Legislative Department possessing the qualifications prescribed in column 7, failing which by transfer of persons holding posts of Staff Car Drivers in other Ministries or Departments	Group "C" D.P.C. consisting of— (i) Joint Secretary, In-charge of general administration in the Legislative Department—Chairman. (ii) Deputy Secretary (E), Department of Legal Affairs—Member. (iii) Co-opted Member preferably belonging to Scheduled Caste or Scheduled Tribe of the rank of Under Secretary/Assistant Legal Adviser/Assistant Legislative Council—Member	Not applicable.		

*Subject to the variation dependent on work load.

[No. A.-12018/1/81-Adm.I(LA)]
N. K. SETH, Dy. Secy.

गृह मंत्रालय

नई दिल्ली 28 मिनस्वर 1981

स।० का० नि० 924-संविधान के अनुच्छेद 309 व परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, राष्ट्रपति, दिल्ली तथा अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह विधिल सेवा नियमावली, 1971 में प्रागे और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं अधत्ति --

(1) ये नियम दिल्ली तथा अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह विधिल सेवा द्वारा संशोधन नियमावली, 1981 कहलायेंगे।

(2) ये नियम परकाल प्रभावी रूप से लागू होंगे।

2 दिल्ली तथा अंडमान व निकोबार द्वीपसमूह विधिल सेवा, नियमावली, 1971 की अनुसूची-1 के स्थान पर निम्नलिखित अनुसूची प्रतिस्थापित की जायेंगी अर्थात् --

"अनुसूची 1"

(नियम 4 देखें)

इस सेवा के अधीन कर्मचारियों को प्राधिकृत स्थायी संख्या और इससे शामिल पदों का स्वरूप नीचे दिये गये अनुसार है --

स्वीकृत संख्या

1. दिल्ली प्रशासन के अधीन विशिष्ट पद	173
2 अंडमान तथा निकोबार द्वीपसमूह प्रशासन के अधीन विशिष्ट पद	12
3. प्रतिनियुक्ति छुट्टी और प्रशिक्षण रिजर्व	61

जाइ	246

क दिल्ली प्रशासन

1 अपर जिला मजिस्ट्रेट (भूमि अधिग्रहण)	1
2 अपर जिला मजिस्ट्रेट (राजस्व-व-मुख्यालय)	1
3 संयुक्त निदेशक समाज कल्याण-व-संयुक्त विकास आयुक्त	1
4 उपायुक्त, बिस्कीकर	1
5. सहायक आयुक्त, बिस्कीकर	5
6. उप-रजिस्ट्रार, सहकारी समितियां	1
7. संयुक्त निदेशक नागरिक आपूर्ति	1
8. सहायक निदेशक, नागरिक आपूर्ति	1
9 उप सचिव	7
10 अवर सचिव	5
11 सहायक विकास आयुक्त	3
12 राजस्व सहायक	1
13. भूमि-अधिग्रहण क्लेक्टर	5
14 जिला संग्रहण अधिकारी	1
15 उपरंजगार अधिकारी/उप-क्षेत्रीय रोजगार अधिकारी/रोजगार संपर्क अधिकारी	14
16. कार्यकारी मजिस्ट्रेट	21
17. बिस्कीकर अधिकारी	42
18 मनोरंजन अधिकारी, स्टाम्प कलेक्टर और जिला स्टाम्प तथा रजिस्ट्रेशन अधिकारी	1
19 जिला उत्पाद शुल्क अधिकारी	3
20 संयुक्त निदेशक, रोजगार, प्रशिक्षण तथा तकनीकी शिक्षा	1
21. सहायक आवास आयुक्त	7
22. उप-निदेशक, उद्योग	2

23. संयुक्त निदेशक, शिक्षा	1
24 प्रशासन अधिकारी एन सी सी/आर सी सी	1
25 प्रशासन अधिकारी, मौलाना आजाद मैडिकल कालेज	1
26 सहायक निदेशक, रोजगार	1
27 नगरपाल अधिकारी	1
28. भू-सुधार-व-भू-प्रबंध अधिकारी	1
29 मुख्य कार्यकारी पार्षद/कार्यकारी पार्षद के सचिव	4
30 संयुक्त निदेशक, उद्योग	1
31 सहायक आयुक्त, उत्पाद शुल्क	1
32 अवर मनोरंजन-कार अधिकारी	1
33 स्टाम्प संग्रहक	1
34 प्रशासन अधिकारी, औषध नियंत्रण संगठन	1
35. प्रशासन अधिकारी बीन ब्याल उपाध्याय अस्पताल	1
36 प्रशासन अधिकारी, नेहरू होम्योपैथिक कालेज और अस्पताल	1
37 प्रशासन अधिकारी, परिवार कल्याण	1
38 सनकता अधिकारी, प्रशिक्षण तथा तकनीकी शिक्षा	1
39. उपायुक्त, खाद्य तथा आपूर्ति	2
40. उत्पाद शुल्क अधिकारी	2
41 प्रशासन अधिकारी (शिक्षा निदेशालय)	10
42. उप निदेशक, परिवहन (प्रवर्तन)	1
43. सहायक निदेशक, प्रशिक्षण	2
44 संयुक्त निदेशक (प्रशासन/सनकता) पी एफ ए विभाग	1
45 प्रशासन अधिकारी (खाद्य मिलावट निवारण विभाग)	1
46 सहायक आयुक्त (खाद्य तथा आपूर्ति)	3
47 सपदा अधिकारी, मौलाना आजाद मैडिकल कालेज	1
48. उप सचिव-महानगर परिषद्	1
49 बन्वोबस्त अधिकारी	1
50. सहकारी समितियों के संयुक्त रजिस्ट्रार	1
51 उप-निदेशक (समाज कल्याण)	1
52 उप चिकित्सा पर्यवेक्षक (प्रशासन), लोक नायक जय-प्रकाश अस्पताल।	1
53 प्रशासन अधिकारी, कालेज आफ आर्ट्स	1

जोड़ 173

ख अंडमान तथा निकोबार द्वीप समूह प्रशासन

1 अपर जिला मजिस्ट्रेट	1
2 सहायक आयुक्त, उत्तरी तथा मध्य अंडमान मायाबंदर	1
3 सहायक आयुक्त, निकोबार	1
4 सहायक आयुक्त, बन्वोबस्त	1
5. उद्योग-अधिकारी	1
6 सहायक आयुक्त, वक्षिणी अंडमान	1
7. आपूर्ति अधिकारी	1
8 नियंत्रक अंडमान श्रमिक बल	1
9 सहायक सचिव, योजना	1
10 सहायक आयुक्त, जनजाति कल्याण	1
11 प्रचार अधिकारी	1
12 रोजगार अधिकारी	1

जोड़ 12

ग रिजर्व

1. प्रतिनियुक्ति रिजर्व 185 का 12 1/2%	23
2. छुट्टी रिजर्व 185 का 10%	19
3. प्रशिक्षण रिजर्व 185 का 10%	19

जोड़ 61

जोड़—(क), (ख) और (ग) 246

[सं० 14025/7/80—यू टी एस]

एस० सी० नर्मदा, उप सचिव

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

New Delhi, the 28th September, 1981

G.S.R. 924.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the Delhi and Andaman & Nicobar Islands Civil Service Rules, 1971 namely :—

(1) These rules may be called the Delhi and Andaman and Nicobar Islands Civil Service Second Amendment Rules, 1981.

(2) They shall come into force with immediate effect.

2. For Schedule I to the Delhi and Andaman and Nicobar Islands Civil Service Rules, 1971, the following Schedule shall be substituted namely :—

“SCHEDULE I”

(See rule 4)

The authorised permanent strength of the service and the nature of the posts included in it are as follows :—

Sanctioned strength

1. Specific posts under the Delhi Administration	173
2. Specific posts under the Andaman and Nicobar Islands Administration,	12
3. Deputation, leave and training reserves	61
Total	246

(a) Delhi Administration

1. Additional District Magistrate (Land Acquisition)	1
2. Additional District Magistrate (Revenue-cum-headquarters)	1
3. Joint Director of Social Welfare-cum-Joint Development Commissioner	1
4. Deputy Commissioner, Sales Tax	1
5. Assistant Commissioner, Sales Tax	5
6. Deputy Registrar of Co-operative Societies	1
7. Joint Director, Civil Supplies	1
8. Assistant Director, Civil Supplies	1
9. Deputy Secretary	7
10. Under Secretary	5
11. Assistant Development Commissioner	3
12. Revenue Assistant	1
13. Land Acquisition Collector	5
14. District Collection Officer	1
15. Deputy Employment Officer/Sub-Regional Employment Officer/Employment Liaison Officer	14
16. Executive Magistrate	21
17. Sales Tax Officer	42
18. Entertainment officer, Collector of Stamps and District Stamps and Registration officer	1

19. District Excise officer	3
20. Joint Director, Employment, Training and technical education	1
21. Assistant Housing Commissioner	7
22. Deputy Director, Industries	2
23. Joint Director, Education	1
24. Administrative officer NCC/RCC	1
25. Administrative officer, Maulana Azad Medical College	1
26. Assistant Director, Employment	1
27. Nazarat officer	1
28. Land Reforms-cum-Land Management officer	1
29. Secretary to Chief Executive Councillor/Executive Councillor	4
30. Joint Director, Industries	1
31. Assistant Commissioner, Excise	1
32. Additional Entertainment Tax officer	1
33. Collector of Stamps	1
34. Administrative officer Drugs Control Organisation	1
35. Administrative officer, Din Dayal Upadhyaya Hospital	1
36. Administrative officer, Nehru Homoeopathic College, and Hospital	1
37. Administrative officer, Family Welfare	1
38. Vigilance officer, Directorate of Training and Technical Education	1
38. Deputy Commissioner, Food and Supplies	2
40. Excise officer	2
41. Administrative officer (Directorate of Education)	10
42. Deputy Director, Transport (Enforcement)	1
43. Assistant Director, Training	2
44. Joint Director (Administration/Vigilance) Department of P.F.A.	1
45. Administrative officer (Department of Prevention of Food Adulteration)	1
46. Assistant Commissioner (Food & Supplies)	3
47. Estate Officer, Maulana Azad Medical College	1
48. Deputy Secretary Metropolitan Council	1
49. Settlement officer	1
50. Joint Registrar of Cooperative Societies	1
51. Deputy Director (Social Welfare)	1
52. Deputy Medical Superintendent (Admn.) L.N.J.P. Hospital	1
53. Administrative officer, College of Arts	1

Total 173

(b) Andaman and Nicobar Islands Administration

1. Additional District Magistrate	1
2. Assistant Commissioner, North and Middle Andaman Mayabundar	1
3. Assistant Commissioner, Nicobar	1
4. Assistant Commissioner, Settlement	1
5. Industries officer	1
6. Assistant Commissioner, South Andaman	1
7. Supply officer	1
8. Controller Andaman Labour Force	1
9. Assistant Secretary, Planning	1
10. Assistant Commissioner, Tribal Welfare	1
11. Publicity office	1
12. Employment officer	1

Total 12

(c) Reserves

1. Deputation reserve 12½% of 185	23
2. Leave reserve 10% of 185	19
3. Training reserve 10% of 185	19
Total	61
Total (a), (b) & (c) :	246

[No. 14025/7/80-UTS]

S. C. SHARMA, Dy. Secy.

(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1981

सां. कां. नि० 925--भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग) नियम, 1954 के नियम 4 के उप-नियम (2) के प्रथम परन्तुक और उप-नियम (1) के साथ पठित अखिल भारतीय सेवा अधिनियम 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार कर्नाटक सरकार के परामर्श से भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग संख्या का नियमन) विनियम 1955 में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित विनियम बनाती है, अर्थात्:--

1. (1) इन विनियमों का नाम भारतीय प्रशासन सेवा (संवर्ग संख्या का नियमन) सोलहवां संशोधन विनियम, 1981 है।

(2) ये विनियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. भारतीय प्रशासन सेवा संवर्ग संख्या का नियमन विनियम 1955 की अनुसूची में "कर्नाटक" के अधीन तत्स्थानी प्रविष्टि, अर्थात्:--

सरकार के सचिव	11
आयुक्त शिक्षा, कर्नाटक राज्य सार्वजनिक आयोग	1
प्रतिनियुक्ति रिजर्व, उपर्युक्त 4 के 22.5 प्रतिशत के हिसाब से	45*
सीधी भर्ती वाले पद	179
कुल प्राधिकृत पद	227

*इनमें 23 अतिरिक्त पद शामिल हैं।

के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टियां प्रतिस्थापित की जाएं:--

सरकार के सचिव	12
प्रतिनियुक्ति रिजर्व, उपर्युक्त 4 के 22.5 प्रतिशत के हिसाब से	48**
सीधी भर्ती वाले पद	182
कुल प्राधिकृत पद	230

**इनमें 26 अतिरिक्त पद शामिल हैं।

[संख्या 11031/23/81-अ० भा० से० (II)-क]

(Department of Personnel and Administrative Reforms)

New Delhi, the 30th September, 1981

G.S.R. 925.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with sub-rule (1), and the first proviso to sub-rule (2) of rule 4 of the Indian Administrative Service (Cadre) Rules, 1954, the Central Government, in consultation with the Government of Karnataka, hereby makes the following regulations further to amend the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955, namely:--

1. (1) These regulations may be called the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Sixteenth Amendment Regulations, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

In the Schedule to the Indian Administrative Service (Fixation of Cadre Strength) Regulations, 1955, under the heading "Karnataka", for the entries, namely:--

Secretary to Government	11
Commissioner of Grievances in the Karnataka State Vigilance Commission :	
Deputation Reserve @ 22.5% of 4 above	1
Direct Recruitment posts	45*
Total Authorised Strength	179
*Includes 23 Foreign Service posts."	227

the following shall be substituted:--

"Secretary to Government	12
Deputation Reserve @ 22.5% of 4 above	48**
Direct Recruitment posts	182
Total authorised strength	230
**Includes 26 ad-hoc increase posts."	

[No. 11031/23/81-AIS(II)-A]

सां. कां. नि० 926--भारतीय प्रशासन सेवा (बेतन) नियम 1954 के नियम 11 के साथ पठित अखिल भारतीय सेवा अधिनियम 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उप-धारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार कर्नाटक सरकार के परामर्श से भारतीय प्रशासन सेवा (बेतन) नियम, 1951 में और आगे संशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाती है अर्थात्:--

1. (1) इन नियमों का नाम भारतीय प्रशासन सेवा (बेतन) स्याहवा संशोधन नियम, 1981 है।

(2) ये विनियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू होंगे।

2. भारतीय प्रशासन सेवा (बेतन) नियम 1954 की अनुसूची III-क में "कर्नाटक" के अधीन तत्स्थानी प्रविष्टि, अर्थात्, आयुक्त शिक्षा, कर्नाटक राज्य सार्वजनिक आयोग--सं० 2500-125/2-2750" को हटा दिया जाए।

[संख्या 11031/23/81-अ० भा० से० (II)-ख]
बी० के० चेरियन, डेस्क अधिकारी

G.S.R. 926.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951) read with rule 11 of the I. A. S. (Pay) Rules, 1954, the Central Government, in consultation with the Government of Karnataka, hereby makes the following rules further to amend the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954, namely:--

1. (1) These rules may be called the Indian Administrative Service (Pay) Eleventh Amendment Rules, 1954.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Indian Administrative Service (Pay) Rules, 1954, in Schedule III-A—Posts carrying pay above the time scale of the Indian Administrative Service under the State Governments, in the Table, against "Karnataka" occurring in the first column, the entries in the second and third columns, namely, "Commissioner of Grievances in the Karnataka State Vigilance Commission—Rs. 2500-125/2-2750" shall be deleted.

[No. 11031/23/81-AIS (II)-B]
V. K. CHERIAN, Desk Officer,

नई दिल्ली, 1 अक्टूबर, 1981

सं० का० वि० 927—राष्ट्रपति संविधान के अनुच्छेद 148 के खण्ड (5) के भाष्य पठित अनुच्छेद 309 के परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए तथा भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा विभाग में कार्य कर रहे व्यक्तियों के संबंध में नियंत्रक-महालेखा परीक्षक से परामर्श करने के पश्चात् केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियम, 1972 का और संशोधन करने के लिये निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात्:—

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) (द्वितीय संशोधन) नियम, 1981 है।

(3) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

(2) केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियम, 1972 में—

(1) नियम 6 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जायेगा, अर्थात्:—

“6. यदि इन नियमों द्वारा शासित कोई सरकारी सेवक किसी औद्योगिक स्थापन में नियुक्त किया जाता है जहाँ उसकी छुट्टी की शर्तें कारखाना अधिनियम, 1948 (1948 का 63) द्वारा शासित होती हैं तो छुट्टी मंजूर करने के लिये मन्त्रम प्राधिकारी उसके खाते में जमा अर्जित छुट्टी अधिक से अधिक 180 दिन के अधीन रहते हुए तथा उसके खाते में जमा सभी अर्ध-वेतन छुट्टी के संबंध में छुट्टी वेतन के लिये नकद समतुल्य मंजूर करने का आदेश स्वयंसेवा से जारी करेगा। इस प्रकार मंजूर किया गया नकद अर्जित छुट्टी के लिये अनुज्ञेय छुट्टी वेतन और/या अर्ध-वेतन छुट्टी के लिये अनुज्ञेय छुट्टी वेतन धन उस छुट्टी वेतन पर ऐसी शर्तों पर अनुज्ञेय मंहगाई भत्ते के बराबर होगा जो उस तारीख को प्रवृत्त हो जिसको सरकारी सेवक का केन्द्रीय सिविल सेवा नियम, 1972 के उपबन्धों से शासित होना समाप्त हो जाता है। अर्ध-वेतन छुट्टी की अवधि के लिये जिसके लिये नकद संवाय वैध है। संवत्त छुट्टी वेतन में से उस पेंशन के बराबर जो उसे उस तारीख को सेवानिवृत्त होने पर मिली होती और अन्य सेवा निवृत्ति प्रमुखियों के समतुल्य पेंशन तथा पेंशन पर तदर्थ राहत क्रमबद्ध राहत के समतुल्य कटौती की जायेगी। यदि अर्ध-वेतन छुट्टी अंश के लिये छुट्टी वेतन, समझी गई पेंशन और अन्य पेंशन संबंधी प्रमुखियों से कम पड़ता है तो अर्ध-वेतन छुट्टी में समतुल्य नकद राशि मंजूर नहीं की जायेगी।

परन्तु यह कि इस प्रकार मंजूर की गई अर्जित छुट्टी और अर्ध-वेतन छुट्टी की अवधि, किसी औद्योगिक स्थापन में उसकी निवृत्ति की तारीख तथा उसकी सेवा को शासित करने वाले निबन्धों और शर्तों के अधीन सेवा निवृत्ति के लिये विहित आयु प्राप्त करने के पश्चात् सामान्य अनुक्रम में सेवा निवृत्त होने की तारीख के बीच की अवधि से अधिक नहीं है।

परन्तु यह और कि उसके ऐसे किसी पद या सेवा, जिस को केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियम, 1972 लागू होते हैं, पर वापस आ जाने की दशा में नियम 39 के अधीन सेवान्त छुट्टी के लिये प्रतिपूर्ति की प्रमुखिया में निम्न प्रकार से अंतरण किया जायेगा :—

(क) अधिवर्षिता पर :—उस तारीख तक न ली गई अर्जित छुट्टी के लिये नकद संवाय इस शर्त के अधीन होगा कि अर्जित छुट्टी के दिनों की संख्या जिसके लिये इस नियम के अधीन नकद संवाय के लिये पहले ही अनुमान

किया गया और अधिवर्षिता पर उस अर्जित छुट्टी के दिनों की संख्या नकद संवाय किया जाना है 180 दिनों से अधिक नहीं है। इस नियम के अधीन अर्ध-वेतन छुट्टी के लिये पहले ही संवाय नकद अनुमान की कटौती कर ली जायेगी।

(ख) समय पूर्व सेवानिवृत्ति पर :—न ली गई अर्जित छुट्टी के लिये नकद समतुल्य और नियम 39 के अधीन सेवान्त छुट्टी के रूप में आवेदित अर्ध-वेतन छुट्टी इस शर्त के अधीन होगी कि अर्जित छुट्टी के दिनों की संख्या जिसके लिये इस नियम के अधीन नकद संवाय के पहले ही अनुमान किया गया है। और सेवान्त छुट्टी के रूप में आवेदित अर्जित छुट्टी के दिनों की संख्या 180 दिनों से अधिक नहीं है। पेंशन और अन्य सेवा निवृत्ति प्रमुखियों के पेंशन समतुल्य की कटौती सेवान्त छुट्टी के अर्ध-वेतन छुट्टी के अंश के बराबर नकद समतुल्य में से की जायेगी।

परन्तु यह कि इस प्रकार मंजूर की गई अर्जित छुट्टी ऐसी अर्जित छुट्टी और अर्ध-वेतन छुट्टी सहित जिसके लिये पूर्वतर अवसर पर उते छुट्टी वेतन का नकद समतुल्य मंजूर किया गया था उन अवधि से अधिक नहीं है। जो उसकी समय-पूर्व सेवा निवृत्ति की तारीख और उस तारीख के बीच पड़ती है जिन तारीख को वह अपनी सेवा को शासित करने वाले निबन्धों और शर्तों के अधीन सेवा-निवृत्ति के लिये विहित आयु प्राप्त करने के पश्चात् सामान्य रूप से सेवा-निवृत्त होता।

(1) नियम 13 में—

(i) उप नियम (1) में “या सेवानिवृत्ति या सेवा छोड़ने की तारीख से आगे तक मंजूर की गई छुट्टी” शब्दों का लोप किया जायेगा।

(ii) उप नियम (2) में—

(क) खण्ड (क) में “या सेवा निवृत्ति की तारीख से आगे तक मंजूर की गई छुट्टी” शब्दों का लोप किया जायेगा।

(ख) खण्ड (ख) के पश्चात् निम्नलिखित खण्ड अन्तःस्थापित किया जायेगा, अर्थात्:—

(ग) “किसी सरकारी सेवक को सेवा-निवृत्ति-पूर्व छुट्टी पर रहते हुए प्राइवेट नियोजन के लगने की अनुज्ञा नहीं दी जायेगी। किन्तु उसे नियम 38 के उपनियम (2) के खण्ड (क) में निर्दिष्ट किसी पब्लिक सेक्टर उपक्रम या निकाय के नियोजन में लगने की अनुज्ञा दी जा सकती है। उस स्थिति में भी सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी के लिये मंजूर छुट्टी वेतन नियम 40 के अधीन अनुज्ञेय छुट्टी वेतन के बराबर ही होगा।”

(iii) उप नियम (3) में—

(क) खण्ड (ख) के स्थान पर निम्नलिखित खण्ड रखा जायेगा अर्थात् “(ख) खण्ड (क) के अधीन इस प्रकार रख की गई छुट्टी के लिये नकद संवाय नियम 39 के उपनियम (2) में दी गई रीति से करने की अनुज्ञा दी जायेगी।”

(ख) खण्ड (घ) का लोप किया जायेगा, और

(iv) उपनियम (4) का लोप किया जायेगा।

(4) नियम 16 के उपनियम (2) के नीचे टिप्पण में "सेवा निवृत्ति पूर्व छुट्टी या इन्कार की गई छुट्टी की वशा में" शब्दों के स्थान पर "सेवा निवृत्ति-पूर्व छुट्टी की वशा में या जहाँ खाने में जमा छुट्टी के बदले नियम 39 के अधीन नकद संवाय मंजूर किया जाता है" शब्द रखे जायेंगे।

(5) नियम 38 के उपनियम (2) में—

(i) खण्ड (ख) के स्थान पर, निम्नलिखित खण्ड रखा जायेगा, अर्थात्—

"(ख) अन्यथा सेवा पर सरकारी सेवक को भी उसकी सेवा निवृत्ति की तारीख का उसके खाते में जमा अर्जित छुट्टी के लिये नकद संवाय नियम 39 के उपनियम (2) में उपबंधित रीति से लेने की अनुज्ञा दी जायेगी"

(ii) उपनियम (3) के परन्तुक में "तो उसे नियम 39 के अधीन इन्कार की गई छुट्टी मंजूर नहीं की जा सकेगी" शब्दों के स्थान पर "तो वह नियम 39 के अधीन छुट्टी के बदले नकद संवाय का पात्र नहीं होगा" शब्द रखे जायेंगे।

(6) नियम 39 के स्थान पर निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात्—

"39 सेवानिवृत्त या सेवा-छोड़ने की तारीख से आगे तक की छुट्टी के बदले छुट्टी/नकद संवाय —

(1) किसी सरकारी सेवक को कोई भी छुट्टी निम्नलिखित समय से आगे तक के लिए मंजूर नहीं की जाएगी :

(क) उसकी सेवा निवृत्ति की तारीख, या

(ख) उसके कर्तव्यों की अंतिम रूप से समाप्ति की तारीख, या

(ग) वह तारीख जब वह सरकार की सूचना देकर सेवा निवृत्त होता है या उसे सरकार द्वारा उसकी सेवा के निबंधनों और शर्तों के अनुसार या तों सूचना देकर या उसके बदले वेतन और भत्ता देकर, सेवानिवृत्त किया जाता है, या

(घ) सेवा से उसके पद त्याग की तारीख।

(2) (क) जहाँ कोई सरकारी सेवक अपनी सेवा को शासित करने वाले निबंधनों और शर्तों के अधीन सेवा निवृत्ति के लिए विहित सामान्य आयु प्राप्त कर लेने पर सेवा निवृत्त होता है तो छुट्टी मंजूर करने वाला सक्षम प्राधिकारी स्वप्रेरणा से एक आदेश जारी करेगा जिसमें वह सरकारी सेवक की सेवा निवृत्ति की तारीख को उसके खाते में जमा छुट्टी, यदि कोई हो, के लिए अधिक से अधिक 180 दिन के अधीन रहते हुए, छुट्टी के लिए छुट्टी वेतन के नकद समतुल्य की मंजूरी देगा। (ख) खण्ड (क) के अधीन नकद समतुल्य निम्न प्रकार से संगणित किया जाएगा और एक मुक्त निपटान के रूप में एक ही बार में संवेय होगा। कोई भी सक्कान किगया भत्ता या नगर प्रतिकारात्मक भत्ता संवेय नहीं होगा।

नकद समतुल्य-सेवा निवृत्ति का तारीख को अनुमेय वेतन धन उस तारीख को अनुमेय मंहगाई भत्ता अधिक से अधिक 180 दिन के अधीन रहते हुए सेवानिवृत्ति की तारीख का खाते में जमा नहीं गई अर्जित छुट्टी के दिनों की संख्या

30

(3) जो सरकारी सेवक निम्नलिखित अधीन रहते हुए सेवा निवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर सेवा से निवृत्त हो जाता है वह अपने

789 GI/81-2

विरुद्ध कार्यवाही की समाप्ति पर, उप-नियम (2) के खण्ड (ख) में उपबंधित रीति से संगणित अपनी सेवानिवृत्ति की तारीख को खाते में जमा अर्जित छुट्टी के नकद समतुल्य के लाभ का पात्र होगा, यदि उसे सेवा में बहाल करने के लिए सक्षम प्राधिकारी यह अभिनिर्धारित करता है कि उक्त निम्नलिखित पूर्णतः अनुचित था।

(4) (क) यदि किसी सरकारी सेवक की सेवा लोक सेवा के हित में उसकी सेवा निवृत्ति की तारीख से आगे विस्तारित कर दी गई है तो उसे—

(i) नियम 26 में यथाविहित, यथास्थिति, अधिक से अधिक 120/180 दिन के अधीन रहते हुए विस्तारण की अवधि के दौरान, ऐसे विस्तारण की अवधि की बाबत शोध्य अर्जित छुट्टी घन उसकी सेवानिवृत्ति की तारीख को उसके खाते में जमा अर्जित छुट्टी मंजूर की जा सकती है।

(ii) विस्तारण की अवधि के समाप्त होने पर, सेवानिवृत्ति की तारीख को खाते में जमा अर्जित छुट्टी घन विस्तारण की अवधि के दौरान अर्जित की गई छुट्टी के लिए जिसमें से ऐसी अवधि के दौरान सी गई अर्जित छुट्टी कम कर दी जाएगी, अधिक से अधिक 180 दिन के अधीन रहते हुए उपनियम (2) में उपबंधित रीति से नकद समतुल्य मंजूर किया जा सकता है।

टिप्पण: कोई सरकारी सेवक जिस ने 30-9-77 को सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त कर ली थी और इस तारीख को या उसके पश्चात् विस्तारित सेवा पर था, वह विस्तारण की अवधि समाप्ति होने पर अपने खाते में जमा अर्जित छुट्टी के लिए जिसमें वह अर्जित छुट्टी भी सम्मिलित है जो उसे इस नियम के प्रवर्तन में आने से पूर्व नियम 39(2) के अधीन नामंजूर कर दी गई थी और जिसे विस्तारण करने की अनुज्ञा दी गई थी। विस्तारण की अवधि के दौरान अर्जित छुट्टी जिसमें से ऐसी अवधि के दौरान सी गई छुट्टी कम कर दी जाएगी, अधिक से अधिक 180 दिन के अधीन रहते हुए उप-नियम (2) के अधीन नकद समतुल्य का हकदार होगा।

(ख) इस उप नियम के खण्ड (क) के उपखण्ड (ii) के अधीन संवेय नकद समतुल्य उपर्युक्त उपनियम (2) के खण्ड (ख) में दी गई रीति से परिकल्पित किया जाएगा।

(5) कोई सरकारी सेवक जो उपनियम (i) के खण्ड (ग) के अनुसार सेवानिवृत्त हो जाता है या जिसे सेवानिवृत्त कर दिया गया है उसे छुट्टी प्रदान करने के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वप्रेरणा से ही उसके खाते में जमा अर्जित छुट्टी अधिक से अधिक 180 दिन के अधीन रहते हुए तथा उसके खाते में जमा छुट्टी के संबंध में नकद समतुल्य मंजूर किया जा सकता है परन्तु यह तब तक कि यह अवधि सेवानिवृत्त होने या सेवानिवृत्त किए जाने की तारीख और उसकी सेवा को शासित करने वाले निबंधनों और शर्तों के अधीन सेवानिवृत्ति के लिए विहित आयु प्राप्त करने के पश्चात् सामान्य अनुक्रम में सेवानिवृत्त होने की तारीख के बीच की अवधि से अधिक नहीं है। नकद समतुल्य अर्जित छुट्टी के लिए अनुमेय छुट्टी वेतन और या अर्ध वेतन पर अनुमेय छुट्टी वेतन के बराबर होगा जिसमें छुट्टी वेतन पर संवेय प्रथम 180 दिन का वह मंहगाई भत्ता भी सम्मिलित है जो सरकारी सेवक के सेवानिवृत्त होने या सेवानिवृत्त किए जाने की तारीख को लागू है। पेंशन और अन्य सेवानिवृत्त प्रसुविधाओं का पेंशन समतुल्य

तथा पेंशन पर तदर्थ राहत/कमबख्त राहत अर्धवेतन छुट्टी की अवधि के लिए संवत् छुट्टी वेतन में से कम कर दी जाएगी जिसके लिए नकद समतुल्य संवैय है। इस प्रकार परिकल्पित रकम एक मुश्त निपटाने के रूप में एक बार में संवत् की जाएगी। मकान किराया भत्ता और नगर प्रतिकरात्मक भत्ता संवैय नहीं होगा।

परन्तु यह कि यदि अर्ध वेतन छुट्टी अंश के बदले छुट्टी वेतन, पेंशन और अन्य पेंशन प्रसुविधाओं से कम पड़ता है तो अर्ध वेतन छुट्टी के लिए नकद समतुल्य मंजूर नहीं किया जाएगा;

परन्तु यह और कि वह सरकारी सेवक जिसे सरकार द्वारा सूचना के बदले वेतन और भत्ते देकर सेवानिवृत्त किया जाता है, उस अवधि के भीतर जिसके लिए ऐसा वेतन और भत्ते दिए गए हैं छुट्टी के लिए आवेदन कर सकेगा और यदि उसे छुट्टी मंजूर कर दी जाती है तो छुट्टी वेतन, केवल उस अवधि के लिए दिया जाएगा जिस अवधि के लिए सूचना के बदले वेतन और भत्ते नहीं दिए गए हैं :

- (6) (क) (i) जहाँ सरकारी सेवक की सेवाएं भूतना देकर या सूचना के बदले वेतन और भत्ते देकर या उसकी नियुक्ति के निबंधनों और शर्तों के अनुसार अवस्था समाप्त कर दी जाती है उसे छुट्टी प्रदान करने के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वप्रेरणा से ही, उस तारीख को, जिसको वह सेवा में रहना समाप्त कर देता है, उसके खाते में जमा छुट्टी की अवधि अधिक से अधिक 180 दिन के अधीन रहते हुए, नकद समतुल्य मंजूर किया जा सकेगा।

(ii) यदि कोई सरकारी सेवक सेवा से त्याग पत्र देता है या सेवा छोड़ देता है तो छुट्टी मंजूर करने के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा उसे स्वप्रेरणा से ही, सेवा की समाप्ति की तारीख को उसके खाते में जमा कुल अर्जित छुट्टी की प्राप्ति सीमा तक, अधिक से अधिक 90 दिन के अधीन रहते हुए नकद समतुल्य मंजूर किया जा सकेगा।

(iii) किसी सरकारी सेवक को, जिसे सेवानिवृत्ति के पश्चात् पुनर्नियुक्त किया जाता है, छुट्टी मंजूर करने के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा उसकी पुनर्नियुक्ति की समाप्ति पर स्वप्रेरणा से ही, उसकी पुनर्नियुक्ति की समाप्ति की तारीख को उसके खाते में जमा अर्जित छुट्टी की बाबत अधिक से अधिक 180 दिन के अधीन रहते हुए नकद समतुल्य मंजूर किया जा सकेगा।

(ख) खण्ड (क) के अधीन नकद समतुल्य यथास्थिति, नियम 40 के उपनियम (1) या उपनियम (7) के खण्ड (ग) के अधीन संगणित अर्जित छुट्टी के लिए अनुज्ञेय छुट्टी वेतन धन उस छुट्टी वेतन दरों पर अनुज्ञेय मंहगाई भत्ते के बराबर होगा जो उस तारीख को प्रवृत्त हैं जब सरकारी सेवक सेवा में नहीं रह जाता है। इस प्रकार संगणित रकम एक-मुश्त निपटान के रूप में एक बार में संवत् की जाएगी। नगर प्रतिकरात्मक भत्ता और/या मकान किराया भत्ता संवैय नहीं होगा।

- (7) नियम 39-क के पश्चात् निम्नलिखित नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

“39 (ख) किसी सरकारी सेवक को जिसे चिकित्सा प्राधिकारी द्वारा आगे सेवा करने के लिए पुनः पूर्ण रूप से और स्थायी रूप से असमर्थ घोषित कर दिया जाता है छुट्टी मंजूर करने के लिए सक्षम प्राधिकारी द्वारा स्वप्रेरणा से ही सेवा से उसकी अवकाशता की तारीख को, उसे संवैय और अनुज्ञेय छुट्टी की बाबत छुट्टी वेतन का नकद समतुल्य मंजूर किया जा सकेगा, परन्तु यह तब जब छुट्टी की वह अवधि जिस के लिए उसे नकद समतुल्य मंजूर किया जाता है उस तारीख से आगे

नहीं बढ़ जाती है जिसको वह अपनी सेवा को शासित करने वाले निबंधनों और शर्तों के अधीन सेवानिवृत्ति के लिए विहित प्राप्ति प्राप्त करने के पश्चात् सामान्य रूप से सेवानिवृत्त हो जाता है। इस प्रकार संवैय नकद समतुल्य नियम 39 के उपनियम (5) के अधीन संगणित छुट्टी वेतन के बराबर होगा। उस सरकारी सेवक को जो स्थायी या स्थायित्व नियुक्ति पर नहीं है सेवा से अपनी अवकाशता की तारीख को उसके खाते में जमा अर्ध वेतन छुट्टी की बाबत छुट्टी वेतन का नकद समतुल्य मंजूर नहीं किया जाएगा।

नियम 40 में,—

- (1) उप नियम (6) का लोप किया जाएगा :

- (2) उप नियम (7) में—

(क) खण्ड (क) और खण्ड (ख) का लोप किया जाएगा; और

(ख) खण्ड (ग) में,

“यदि ऐसे पुनर्नियोजन के दौरान उसे उसके द्वारा पुनर्नियोजन की अवधि के दौरान उपाजित छुट्टी मंजूर की जाती है तो” शब्दों के स्थान पर “उस सरकारी कर्मचारी की दशा में जिसे पुनर्नियुक्ति की अवधि के दौरान अर्जित की गई छुट्टी मंजूर की जाती है या नियम 39 के उप-नियम (6) के खण्ड (ख) के अधीन नकद समतुल्य राशि मंजूर किया जाता है “शब्द आये।

[सं पी०-14028/9/80-स्वा० (छुट्टी)]

एम० आर० भारद्वाज, निदेशक

व्य केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियम, 1972 निम्नलिखित अधिसूचना/राजपत्र द्वारा संशोधित किए गए हैं :—

सूचना की सं० और तारीख	राजपत्र अधिसूचना सं० और तारीख का विवरण
1. एफ 16 (3) ई IV (क)/71 तारीख 11-9-72	का० आ० सं० 3724 तारीख 4-11-72
2. एफ 4 (7) ई IV (क)/72 तारीख 30-4-73	का० आ० सं० 1399 तारीख 19-5-73
3. एफ 5 (14) ई IV (क)/73 तारीख 13-7-73	सा० का० नि० सं० 821 तारीख 4-8-73
4. एफ 14 (10) ई IV (क)/73 तारीख 11-6-74	उपलब्ध नहीं
5. एफ 5 (8) ई IV (क)/73 तारीख 19-7-74	सा० का० नि० सं० 818 तारीख 3-8-74
6. एफ 14 (8) ई IV (क)/73 तारीख 2-11-74	सा० का० न० सं० 1242 तारीख 23-11-74
7. एफ 16 (3) ई IV (क)/74 तारीख 20-12-74	सा० का० नि० सं० 1374 तारीख 28-12-74
8. एफ 16 (5) ई IV (क)/74 तारीख 11-4-75	सा० का० नि० सं० 526 तारीख 26-4-75
9. एफ 16 (8) ई IV (क)/74 तारीख 26-5-75	सा० का० नि० सं० 696 तारीख 7-6-75
10. एफ 4 (1) ई IV (क)/74 तारीख 24-6-75	सा० का० नि० सं० 834 तारीख 12-7-75
11. एफ 16 (5) ई IV (क)/74 तारीख 20-9-75	सा० का० नि० सं० 2876 तारीख 27-12-75

1	2	3
12. एफ 5 (7) ई IV(क)/73 तारीख 2-12-75	सां कां निं सं 2877 तारीख 27-12-75	
13. एफ 5 (16) ई IV(क)/73 तारीख 15-1-76	उपलब्ध नहीं	
14. एफ 16 (6) ई IV(क)/74 तारीख 31-7-76	सां कां निं सं 1184 तारीख 14-8-76	
15. एफ 6 (3) ई IV(क)/75 तारीख 7-10-76	सां कां निं सं 1587 तारीख 13-11-76	
16. एफ 4 (9) ई IV(क)/76 तारीख 14-3-77	सां कां निं सं 611 तारीख 14-5-77	
17. एफ 14 (11) ई IV(क)/76 तारीख 12-9-78	सां कां निं सं 1159 तारीख 23-9-78	
18. एफ पी 014035/12/78 ई IV (क) तारीख 4-10-78	सां कां निं सं 1255 तारीख 21-10-78	
19. पी० 13024/1/78-ई IV(क) तारीख 29-8-79	सां कां निं सं 1150 तारीख 15-9-79	
20. पी० 11012/1/77-ई IV(क) तारीख 21-11-79	सां कां निं सं 1422 तारीख 1-12-79	
21. पी० 14018/1/80-एल० यू० तारीख 21-11-80	सां कां निं सं 1260 तारीख 13-12-80	
22. एफ० 15(9)ई IV(क)/76 तारीख 31-12-80	फा० आ सं 263 तारीख 24-1-81	
23. पी० 11012/2/80-ई०(एल) तारीख 24-8-81	तुरन्त उपलब्ध नहीं है	

New Delhi, the 1st October, 1981

G.S.R. 927.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 read with Clause (5) of Article 148 of the Constitution and after consultation with the Comptroller and Auditor General in relation to persons serving in the Indian Audit and Accounts Department, the President hereby makes the following rules further to amend the Central Civil Services (Leave) Rules, 1972, namely :—

1. (1) These rules may be called the Central Civil Services (Leave) (Second Amendment) Rules, 1981

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Civil Services (Leave) Rules, 1972 for rule (6), the following rule shall be substituted, namely :—

“6. If a Government Servant governed by these rules is appointed in an industrial establishment wherein his leave terms are governed by the Factories Act, 1948 (63 of 1948), the authority competent to grant leave shall sub-moto issue an order granting cash equivalent of leave salary in respect of earned leave at his credit subject to a maximum of 180 days and also in respect of all the half pay leave at his credit. The cash so granted shall be a sum equal to the leave salary as admissible for earned leave and/or leave salary as admissible for half pay leave plus dearness allowance admissible on that leave salary at the rates in force on the date the Government servant ceases to be governed by the Provision of the Central Civil Services (Leave) Rules, 1972. From the leave salary paid for the period of half pay leave, if any, for which the cash is payable, deductions shall be made equal to the pension, which he would have got had he retired from service on that date and pension equivalent of other retirement benefits and adhoc relief/graded relief on pension. If the leave salary for the half pay leave component falls short of the

deemed pension and other pensionary benefits, cash equivalent of half pay leave shall not be granted :

Provided that the earned leave and the half pay leave so granted does not exceed the period between the date on which he is appointed in an industrial establishment and the date on which he would have retired in the normal course after attaining the age prescribed for retirement under the terms and conditions governing his service ;

Provided further that in the event of his return to a post or service to which the Central Civil Services (Leave) Rules, 1972 apply, the benefit of compensation against the terminal leave under rule 39 will be modified as under :—

(a) On superannuation : Encashment of unutilised earned leave on that date will be subject to the condition that the number of days of earned leave for which encashment has already been allowed under this rule and the number of days of earned leave to be encashed on superannuation does not exceed 180 days. Cash equivalent of half pay leave already made under this rule shall be recovered.

(b) On pre-mature retirement : Cash equivalent of unutilised earned leave and half pay leave applied for by way of terminal leave under rule 39 would be subject to the condition that the number of days of earned leave for which the encashment had already been allowed under this rule and the number of days of earned leave applied for as terminal leave do not exceed 180 days. Deduction of pension and pension equivalent of other retirement benefits shall be made from the cash equivalent in lieu of half pay leave component of terminal leave.

Provided that the earned leave and the half pay leave so granted together with the earned leave and the half pay leave for which cash equivalent of leave salary was granted to him on the earlier occasion does not exceed the period between the date from which he is to retire prematurely and the date on which he would have retired in the normal course after attaining the age prescribed for retirement under the terms and conditions governing his service.

3. in rule 13—

(i) in sub rule (1) the words “or leave granted beyond the date of retirement or quitting service” shall be omitted ;

(ii) in sub-rule (2)—

(a) in clause (a), the words “or leave granted beyond the date of retirement” shall be omitted.

(b) after clause (b), the following clause shall be inserted, namely :—

“(c) A government servant while on leave preparatory to retirement shall not be permitted to take up private employment. He may, however, be permitted to take up employment with a public Sector Undertaking or a body referred to in clause (a) of sub-rule (2) of rule 38 and in that event also leave salary payable for leave preparatory to retirement shall be the same as admissible under rule 40” ;

(iii) in sub-rule (3)—

(a) for clause (b), the following clause shall be substituted, namely :—

“(b) The leave so cancelled under clause (a) shall be allowed to be encashed in the manner provided in sub-rule (2) of rule 39”.

(b) clause (d) shall be omitted ; and

(c) sub-rule (4) shall be omitted.

4. In the note below sub-rule (2) of rule 16, for the words “in the case of leave preparatory to retirement or refused

leave", the words "In the case of leave preparatory to retirement or where cash payment in lieu of leave at credit is granted under rule 39" shall be substituted:

5. In sub-rule (2) of rule 38—

(i) for clause (b), the following clause shall be substituted, namely :—

"(b) The Government servant on foreign service shall also be allowed to encash earned leave at his credit on the date of retirement in the manner provided in sub-rule (2) of rule 39".

(ii) in the proviso, for the words "shall not be eligible for grant of refused leave under rule 39", the words "shall not be eligible for grant of cash payment in lieu of leave under rule 39" shall be substituted.

6. for rule 39, the following rule shall be substituted, namely :—

"39. Leave/Cash Payment in lieu of leave beyond the date of retirement or quitting of service—

(1) No leave shall be granted to a Government servant beyond—

- (a) the date of his retirement, or
- (b) the date of his final cessation of duties, or
- (c) the date on which he retires by giving notice to Government, or he is retired by Government by giving him notice or pay and allowances in lieu of such notice, in accordance with the terms and conditions of his service, or
- (d) the date of his resignation from service.

(2) (a) Where a Government servant retires on attaining the normal age prescribed for retirement under the terms and conditions governing his service, the authority competent to grant leave shall suo-motu issue an order granting cash equivalent of leave salary for leave, if any, at the credit of the Government servant on the date of his retirement, subject to a maximum of 180 days.

(b) The cash equivalent under clause (a) shall be calculated as follows and shall be payable in one lumpsum as a one time settlement. No House Rent allowance or City Compensatory Allowance shall be payable :

Cash equivalent	=	Number of days of
Pay admissible on the		unutilised earned
date of retirement		leave at credit on the
plus dearness allo-		date of retirement
wance admissible on		subject to a maxi-
that date	x	mum of 180 days.

30

(3) A government servant, who retired from service on attaining the age of retirement while under suspension, shall become eligible for the benefit of cash equivalent of earned leave that was at his credit on the date of his retirement, calculated in the manner provided in clause (b) of sub-rule (2), on conclusion of the proceedings against him, if the authority competent to re-instate him in service holds that the suspension was wholly unjustified.

(4) (a) Where the service of a Government servant has been extended, in the interest of public service beyond the date of his retirement, he may be granted—

- (i) during the period of extension, any earned leave due in respect of the period of such extension plus the earned leave which was at his credit on the date of his retirement subject to a maximum of 120 days/180 days as the case may be, as prescribed in rule 26,

- (ii) after expiry of the period of extension, cash equivalent in the manner provided in sub-rule (2) in respect of earned leave at credit on the date of retirement, plus, the earned leave earned during the period of extension, reduced by the earned leave availed of during such period, subject to a maximum of 180 days.

NOTE :—A government servant who attained the age of retirement before 30-9-1977 and was on extension of service on or beyond this date shall be entitled to cash equivalent under sub-rule (2) in respect of earned leave at credit on the date of expiry of extension which may consist of the earned leave that had been refused to him under rule 39 (2), as it existed before coming into operation of this rule, and was allowed to be carried forward into the period of extension, plus earned leave earned during the period of extension, reduced by the earned leave availed of during such period, subject to a maximum of 180 days.

(b) The cash equivalent payable under sub-clause (ii) of clause (a) of this sub-rule shall be calculated in the manner indicated in clause (b) of sub-rule (2) above.

(2) A Government servant who retires or is retired from service in the manner mentioned in clause (c) of sub-rule (1), may be granted, suo-motu by the authority competent to grant leave, cash equivalent of the leave salary in respect of earned leave at his credit subject to a maximum of 180 days and also in respect of all the half pay leave at his credit provided this period does not exceed the period between the date on which he so retires or is retired from service and the date on which he would have retired in the normal course after attaining the age prescribed for retirement under the terms and conditions governing his service. The cash equivalent shall be equal to the leave salary as admissible for earned leave and/or equal to the leave salary as admissible for half pay leave plus dearness allowance admissible on that leave salary for the first 180 days, at the rates in force on the date the Government servant so retires or is retired from service. The pension and pension equivalent of other retirement benefits and ad-hoc relief/graded relief on pension shall be deducted from the leave salary paid for the period of half pay leave, if any, for which the cash equivalent is payable. The amount so calculated shall be paid in one lumpsum as a one time settlement. No House Rent Allowance or City Compensatory Allowance shall be payable :

Provided that if leave salary for the half pay leave component falls short of pension and other pensionary benefits, cash equivalent of half pay leave shall not be granted.

Provided further that a Government servant who is retired by Government by giving him pay and allowances in lieu of notice, may apply for leave within the period for which such pay and allowances were given, and where he is granted leave, the leave salary shall be allowed only for the period of leave excluding that period for which pay and allowances in lieu of notice have been allowed.

(6) (a) (i) Where the services of a Government servant are terminated by notice or by payment of pay and allowances in lieu of notice, or otherwise in accordance with the terms and conditions of his appointment, he may be granted suo motu, by the authority competent to grant leave, cash equivalent in respect of earned leave at his credit on the date on which he ceases to be in service subject to a maximum of 180 days ;

(ii) If a Government servant resigns or quits service, he may be granted suo-motu by the authority competent to grant leave, cash equivalent in respect of earned leave at his credit on the date of cessation of service, to the extent of half of such leave at his credit, subject to a maximum of 90 days ;

(iii) A Government servant who is re-employed after retirement may, on termination of his re-employment, be granted, suo-motu, by the authority competent to grant leave cash equivalent in respect of

earned leave at his credit on the date of termination of re-employment subject to a maximum of 180 days.

- (b) The cash equivalent under clause (a) shall be equal to leave salary admissible for earned leave calculated under sub-rule (1) or under clause (c) of sub-rule (7) as the case may be, of rule 40 plus dearness allowance admissible on that leave salary at the rates in force on the date the Government servant ceases to be in service. The amount so calculated shall be paid in one lumpsum as one time settlement. No City Compensatory allowance and/or House Rent allowance shall be payable.

7. After rule 39-A, the following rule shall be added, namely :

"39-B. A government servant who is declared by a medical authority to be completely and permanently incapacitated for further service may be granted, suo-motu, by the authority competent to grant leave, cash equivalent of leave salary in respect of leave due and admissible, on the date of his invalidation from service, provided that the period of leave for which he is granted cash equivalent does not extend beyond the date on which he would have retired in the normal course after attaining the age prescribed for retirement under the terms and conditions governing his service. The cash equivalent thus payable shall be equal to the leave salary as calculated under sub-rule (5) of Rule 39. A government servant not in permanent employ or quasi-permanent employ shall not however be granted cash equivalent of leave salary in respect of half pay leave standing at his credit on the date of his invalidation from service.

8. in rule 40—

(i) sub-rule (6) shall be omitted;

(ii) in sub-rule (7),—

(a) clause (a) and clause (b) shall be omitted; and

(b) in clause (c), for the words "if during such re-employment he is granted leave earned by him during the period of re-employment", the words "In the case of a Government servant who is granted leave earned by him during the period of re-employment or is granted cash equivalent under clause (b) of sub-rule (6) of rule 39" shall be substituted.

[No. P. 14028/9/80-Estt. (L)].
M. R. BHARDWAJ, Director

NOTE : The Principal Central Civil Services (Leave) Rules, 1972 have been amended vide Notification/Gazette detailed below:—

No. and date of Notification		Particulars of Gazette Notification No. & Date		
1	2	3	4	5
1. F.16(3)-E.IV(A)/71	11-9-72	S.O.No.3724	4-11-72	
2. F.4(7)-E.IV(A)/72	30-4-73	S.O.No.1399	19-5-73	
3. F.5(14)-E.IV(A)/73	13-7-73	G.S.R.No.821	4-8-73	
4. F.14(10)-E.IV(A)/73	11-6-74	Readily not available		
5. F.5(8)-E.IV(A)/73	19-7-74	G.S.R.No.818	3-8-74	
6. F.14(8)-E.IV(A)/73	2-11-74	G.S.R.No.1242	23-11-74	
7. F.16(3)-E.IV(A)/74	20-12-74	G.S.R.No.1374	28-12-74	
8. F.16(5)-E.IV(A)/74	11-4-75	G.S.R.No.526	26-4-75	
9. F.16(8)-E.IV(A)/74	26-5-75	G.S.R.No.696	7-6-75	
10. F.4(1)-E.IV(A)/74	24-6-75	G.S.R.No.834	12-7-75	
11. F.16(5)-E.IV(A)/74	20-9-75	G.S.R.No.2876	27-12-75	
12. F.5(7)-E.IV(A)/75	2-12-75	G.S.R.No.2877	27-12-75	

1	2	3	4	5
13. F.5(16)-E.IV(A)/73	15-1-76	Readily not available		
14. F.16(6)-E.IV(A)/74	31-7-76	G.S.R.No.1184	14-8-76	
15. F.6(3)-E.IV(A)/75	7-10-76	G.S.R.No.1587	13-11-76	
16. F.4(9)-E.IV(A)/76	14-3-77	G.S.R.No.611	14-5-77	
17. F.14(11)-E.IV(A)/76	12-9-78	G.S.R.No.1159	23-9-78	
18. P14025/12/78-EIV(A)	4-10-78	G.S.R.No.1255	21-10-78	
19. P13024/1/78-EIV(A)	29-8-79	G.S.R.No.1150	15-9-79	
20. P11012/1/77-EIV(A)	21-11-79	G.S.R.No.1422	1-12-79	
21. P14018/1/80-LU	21-11-80	G.S.R.No.1260	13-12-80	
22. F.16(9)-EIV(A)/76	31-12-80	S.O.No.263	24-1-81	
23. P11012/2/80-Estt(L)	24-8-81	Readily not available.		

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1981

सां. कां. निं. 928—केन्द्रीय सरकार, काफी अधिनियम, 1942 (1942 का 7) की धारा 48 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, काफी नियम, 1955 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :—

1. (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम काफी (संशोधन) नियम 1981 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. काफी नियम 1955 में, नियम 39 के उप-नियम (6) के स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम रखा जाएगा, अर्थात् :—

"अध्यक्ष को, काफी नमूनों के निर्धारण कार्य के लिए प्रत्येक मामले में प्रतिवर्ष 2500 रुपये तक और अन्य प्रयोजन के लिए जैसे सराहनीय कार्य और कार्य की ऐसी विशेष मदों के लिए, जो किसी के पदीय कर्त्तव्य का भाग नहीं है प्रत्येक मामले में प्रति वर्ष 1,000 रु० तक मानदेय मंजूरी करने की शक्ति होगी"।

[कां. सं. 9/10/80 प्लान्ट (बी)]

ए० घोष, उप-सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 28th September, 1981

G.S.R. 928.—In exercise of the powers conferred by section 48 of the Coffee Act, 1942 (7 of 1942), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Coffee Rules 1955 namely :—

1. (1) These rules may be called the Coffee (Amendment) Rules 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Coffee Rules, 1955, for sub-rule (6) of rule 39, the following sub-rule shall be substituted; namely :—

"(6) The Chairman shall have power to sanction honorarium upto Rs. 2,500 per annum in each case for assessment work done for coffee samples and Rs. 1,000 per annum in each case for other purpose like meritorious work and special items of work not forming a part of one's official duties."

[File No. 9/10/80-Plant(B)]

A. GHOSH, Dy. Secy.

उद्योग मंत्रालय

तकनीकी विकास महानिदेशालय

नई दिल्ली, 22 सितम्बर, 1981

सं० का० नि० १२९— राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद ३०९ के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय निदेशालय खण्ड (बर्ग) III अर्थात् नियम १९५९ तथा तकनीकी विकास महानिदेशालय (की-पंचर और रफायर) अर्थात् नियम, १९६८ का अधिकांश करते हुए, तकनीकी विकास महानिदेशालय उद्योग मंत्रालय के कतिपय समूहों के पदों पर अर्थात् की पद्धति का वित्तियमन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, अर्थात् —

1. संक्षिप्त नाम.—(1) इस नियमों का संक्षिप्त नाम तकनीकी विकास महानिदेशालय (समूह ख पद) भर्ती नियम, 1981 है।

(2) ये राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे ।

2. लागू होना:—ये नियम इससे उपाबद्ध अनुसूची के स्तम्भ 2 में विनिर्दिष्ट पदों को लागू होंगे।

3. पत्र संख्या, वर्गीकरण और बतनमान:—उक्त पत्रों की संख्या, उनका वर्गीकरण और उनके बतनमान वे होंगे जो इन नियमों से उपायय अनुसूची के स्वम्भ 3 से 5 में विनिर्दिष्ट है।

4. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा और अर्हताएं आदि.—उक्त पर्वों पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं और उनसे सम्बन्धित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तम्भ 6 से 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

5. निर्गहताएं.—वह व्यक्ति.—

(*) जिसने ऐसे व्यक्ति से जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिससे अपने पति या अपनी पत्नी के जीवन होते हुए किसी व्यक्ति से विवाह किया है।

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार को यह समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार को लागू स्वीय विधि के अधीन अनु-
 स्तेय है और ऐसा करने के बिना अन्य आधार हैं तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन के छुट दे सकेगी।

6. गिथिल करने की शक्ति:—जहाँ केन्द्रीय सरकार की यह राय है कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, वहाँ वह, उनके लिए जो कारण हैं उन्हें लेखबद्ध करके हत विषयों के किसी उपबन्ध की किसी धारा या प्रवर्ग के व्यक्तियों की नाबत, आवेदन द्वारा, गिथिल कर सकेगी।

7. व्यावृत्ति.—उन नियमों की कोई भी बात ऐसे आरक्षणों प्रायः-सीमा में छूट और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी, जिनका केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सम्बन्ध में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विधेय प्रयोगों के व्यक्तियों के विषय उल्लेख करना अपेक्षित है।

तकनीकी विकास महानिदेशालय में अनुसंधान सहायक (श्रेणी II) पद के लिए भर्ती नियम

અનુસૂચી

क्रम सं०	पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वेतनमान	अवकाश पद अथवा अवकाश पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु-सीमा	सीधे भर्ती किये जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक और अन्य अर्हताएं
1	2	3	4	5	6	7	8
1	अनुसंधान सहायक	दो	साधारण केन्द्रीय सेवाएं 'समूह' ग' राजपत्रित अलिपिकवर्गीय	425-15-500- द०रो०-560-20 760 रुपए	अवकाश	20 से 26 वर्ष के बीच (सरकारी कर्मचारियों के लिए शिथिल करके 35 वर्ष तक की जा सकती है।) अर्थात् स्तम्भ 6 में उल्लिखित आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख, प्रत्येक मामले में भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अन्वमान और निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अन्तिम तारीख होगी। ऐसे पदों की बायत, जिन पर नियुक्त रोजगार कार्यालय के माध्यम से की जाती है आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख प्रत्येक मामले में वह तारीख, होगी जिस तक रोजगार कार्यालय से नाम भेजने के लिए कहा गया है।	किसी माम्यताप्राप्त विश्वविद्यालय में अर्थात् या गणित या सांख्यिकी

सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित प्रायु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नतों की वशा में लागू होंगी या नहीं	परिबीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति/भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों द्वारा भर्ती किए जाने वाली विनियमों की प्रतिपक्षता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की वशा में वे श्रेणियों जिन्हें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी मरचना	भर्ती करने में किन परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाएगा
--	------------------------------	--	---	--	---

9	10	11	12	13	14
प्रायु—नहीं अर्हताएं—हैं	2 वर्ष	(क) 50 प्रतिशत सीधी भर्ती द्वारा। (ख) 50 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा जिसके न हो सकने पर प्रतिनियुक्ति द्वारा और उसके न हो सकने पर स्थानान्तरण द्वारा और सबके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	(क) प्रोन्नति: ऐसे संगणक एवम् टंकक, जिन्होंने उम श्रेणी में 5 वर्ष सेवा की है। (ख) ऐसे के० रू० लि० से० के उच्च श्रेणी लिपिकों के० म० आ० से० के श्रेणी 'घ' प्राशुलिपिकों में से, जिन्होंने 5 वर्ष सेवा की है और जिनके पास सीधी भर्ती के लिए अपेक्षित अर्हताएं हैं प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण। (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी)	1. अध्यक्ष—उपेष्टनम उप-महानिदेशक सदस्य—1 सलाहकार (सूचना) 2. अ० आ०/प्र० ज० आ० पदधारियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक नाम निविष्ट अधिकाारी 3. अवर सचिव—उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) में अराजपत्रित कर्मचारियों के प्रशासन का भार साधक—सदस्य सचिव 4. उप-निवेशक (प्रशा०) फा० सं० 12025(3) /75 स्था०-II	लागू नहीं होता

1	2	3	4	5	6	7	8
2. संगणक एवम् टंकक	छह	साधारण केन्द्रीय सेवाएं, समूह 'ग' अराज-पत्रित अलिपिकवर्गीय	330-10-380- द०रो०-12-500- ब०रो०-15-5 60 ६०	अवयव	19 से 26 वर्ष के बीच (सरकारी कर्मचारियों के लिए गिनाया करके 35 वर्ष तक की जा सकती है) विषयः स्तंभ 6 में उल्लिखित आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख प्रत्येक मामले में भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अन्वयमान और निकोबार द्वीपसमूह तथा लक्षद्वीप में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी। ऐसे पदों की बाबत, जिन पर नियुक्ति रोजगार कार्यालय के माध्यम से की जाती है, आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख प्रत्येक मामले में वह तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालय से नाम भेजने के लिए कहा गया है।	(1) किसी साम्यताप्राप्त विश्व-विद्यालय से अर्थशास्त्र या गणित या सांख्यिकी में उपाधि। (2) टंकण की गति 40 शब्द प्रति मिनट।	

9	10	11	12	13	14
ना नहीं	2 वर्ष	50 प्रतिशत प्रोन्नति द्वारा 50 प्रतिशत प्रतिनियुक्ति द्वारा जिसके न हो सकने पर स्थानान्तरण द्वारा और इन सबके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	प्रोन्नति—ऐसे चैकर पंचर बैरि-फायर जिन्होंने उस श्रेणी में 8 वर्ष नियमित सेवा की है। प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण ऐसे के० स० लि० मे० के ऐ मे अवसर श्रेणी लिपिक, जिन्होंने उस श्रेणी में 8 वर्ष नियमित सेवा की है और जिसके पास सीधी भर्ती के लिए अपेक्षित प्रवृत्ति है। (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)।	अध्यक्ष—ज्येष्ठतम उप-महानिदेशक सहायक—1 सहायक (सूचना सेवा) 2 अ० जा०/अ० ज० जा० के पदाधारियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक नाम निर्दिष्ट अधिकारी 3 अवसर सचिव—उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) में अराजपत्रित कर्मचारियों के प्रशासन का भार-साधक—सदस्य सचिव 4. उप निदेशक (प्रशा०)	नागू नहीं होता

1	2	3	4	5	6	7	8	9
3	चैकर पंचर बैरि-फायर	छह	साधारण केन्द्रीय सेवाएं, समूह 'ग' अराज-पत्रित अलिपिक-वर्गीय	260-6-300-ब० रो०-6-326-8-366-ब० रो०-8-390-10-400 (और 20* रु० प्रति मास का विशेष वेतन) * इसको, नियमों का, कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग द्वारा अनुमोदन कर दिए जाने के पश्चात् भारसाधक अधिकारी की सलाह पर जोड़ा गया है।	नागू नहीं होता	18 से 25 वर्ष के बीच (सरकारी कर्मचारियों के लिए सिविल करके 35 वर्ष तक की जा सकती है) टिप्पण—स्तंभ 6 में उल्लिखित आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख प्रत्येक मामले में भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उनसे भिन्न जो अन्तर्मान और निको-बार द्वीपसमूह तथा लक्ष द्वीप में रहते हैं) प्राप्ति प्राप्त करने के लिए नियत की गई अंतिम तारीख होगी। ऐसे पदों की बाबत, जिन पर नियुक्ति रोजगार कार्यालय के माध्यम से की जाती है, आयु सीमा अवधारित करने की निर्णायक तारीख प्रत्येक मामले में बहु तारीख होगी जिस तक रोजगार कार्यालय से नाम भेजने के लिए कहा गया है।	मैट्रिक उत्तीर्ण या समतुल्य की पंक्ति सत्यापन में प्रशिक्षण (2) ल० वि० महानि० द्वारा स्थापित अपेक्षित मानकों तक की पंक्ति की गति और ल० वि० महानि० द्वारा इस आधार पर ली गयी परीक्षा—उत्तीर्ण।	समतुल्य

9	10	11	12	13	14
नागू नहीं होता	दो वर्ष	प्रतिनियुक्ति द्वारा जिसके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा।	प्रतिनियुक्ति—के० स० लि० सेवा के अवसर श्रेणी लिपिक या ऐसे व्यक्ति जो सबसे पद धारण किए हुए हैं और जिनके पास सीधी भर्ती के लिए अधिकृत प्रवृत्ति है। प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः तीन वर्ष से अधिक नहीं होगी।	अध्यक्ष—ज्येष्ठतम उप-महानिदेशक सहायक—1 सहायक (सूचना)। 2 अ० जा०/अ० ज० जा० के पदाधारियों के हितों का प्रतिनिधित्व करने के लिए एक नाम-निर्दिष्ट अधिकारी। 3. अवसर सचिव—उद्योग मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) के अराजपत्रित कर्मचारियों के प्रशासन का भारसाधक—सदस्य सचिव उप-निदेशक (प्रशा०)	नागू नहीं होता

[फ० सं० ए० 12012 (3)/79 स्था० II]

राज कृष्ण बंसल, निदेशक (प्रशा०)

MINISTRY OF INDUSTRY

(Directorate General of Technical Development)

New Delhi, the 22nd September, 1981

G.S.R. 929.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution and in supersession of the Ministry of Commerce and Industry Development Wing (Class III Posts Recruitment) Rules, 1955 and the Directorate General of Technical Development (Key Punch Verifier) Recruitment Rules, 1968, the President hereby makes the following rules regulating the method of recruitment to certain Group 'C' posts in the Directorate General of Technical Development, Ministry of Industry, namely:—

1. Short title.—(i) These rules may be called the Directorate General of Technical Development (Group 'C' Posts) Recruitment Rules, 1981.

(ii) They shall come into force on the date of their Publication in the Official Gazette.

2. Application.—These rules shall apply to the posts specified in column 2 of the Schedule annexed to these rules.

3. Number of classification and scale of pay.—The number of the said posts, their classification and the scale of pay attached thereto shall be as specified in columns 3 to 5 of the said Schedule.

4. Method of recruitment, age limit, qualification etc.—The method of recruitment, age limit, qualification and other

matters relating to the said posts shall be specified in columns 6 to 14 of the Schedule aforesaid.

5. Disqualifications.—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or

(b) who having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person;

shall be eligible for appointment to any of the said posts :

Provided that the Central Government, may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

6. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient so to do, it may by order for reasons to be recorded in writing, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

7. Saving.—Nothing in these rules shall affect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard.

SCHEDULE

Recruitment Rules for the Post of Research Assistant (Grade-II) in the Ministry/Deptt. of D.G.T.D.

Sl. No.	Name of post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection post or non-selection post	Age limit for direct recruits	Educational and other qualification required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Research Assistant (Gr.II)	Two	General Central Services Group 'C' Non-Gazetted Non-Ministrial.	Rs. 425-15-500-EB-15-560-20-760.	Non-Selection	Between 20--26 years. (Relaxable upto 35 years for Government Servants). Note:—The crucial date for determining the age limit mentioned in col. 7 of the Recruitment Rules will in each case be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep). In respect of posts, the appointments to which are made through employment exchange the crucial date for determining the age limit will in each case be the last date upto which the employment exchanges are asked to submit the names.	A degree in Economics or Mathematics or Statistics from a recognised University.

ANNEXURE—I

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of rectt. whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/ deputation/transfer/grades from which promotion/ deputation/transfer to be made	If a D.P.C. exists what is its composition.	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making recruitment.
9	10	11	12	13	14
Age : No Qualification : Yes	2 years	(a) 50% by direct recruitment. (b) 50% by promotion, failing which by deputation and failing that by transfer and failing all by direct recruitment.	(a) Promotion : Computer-cum-typist with 5 years service in the grade. (b) Deputation/transfer from Upper Division Clerks of CSCS/Grade 'D' Stenographers of CSSS with 5 years service and possessing the qualification required for direct recruits. (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years).	Chairman—Senior Most D.D.G.N.A: 1. Members : Adviser (Information Services) 2. An Officer nominated to represent the interest of SC/ST officials. 3. Under Secretary, In-charge of Administration of non-gazetted Staff in the Ministry of Industry (Deptt. of Ind. Dev.). Member Secretary 4. Deputy Director(Admn.).	N.A.

Recruitment Rules for Computer-cum-Typist in the Ministry/Deptt. of D.G.T.D.

Sl. No.	Name of post	No. of posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection post or non-selection post	Age Limit for direct recruits	Educational and other qualification required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Computer-cum-typist.	Six	General Central Services Group 'C' Non-Gazetted Non-Ministrial.	Rs. 330-10-380-EB-12-500-FB-15-560.	Non-Selection	Between 19—26 years (Relaxable upto 35 years for Govt. Servants). Note:—The crucial date for determining the age limit mentioned in Col. 7 of the Recruitment Rules will in each case be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep). In respect of posts, the appointments to which are made through employment exchanges the crucial date for determining the age limit will in each case be the last date upto which the employment exchanges are asked to submit the names.	(i) Degree with Economics or Mathematics or Statistics from a recognised University. (ii) Typing Speed of 40 w.p.m.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation if any	Method of recti. whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of recti. by promotion/deputation/transfer/grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a D.P.C. exists what is its composition.	Circumstances in which U.P.S. C. is to be consulted in making recti.
9	10	11	12	13	14
No	2 years	50% by promotion 50% by deputation failing which by transfer, failing all by direct recruitments.	Promotion : Checker/Puncher/Verifier with 8 years regular service in the grade. Deputation/Transfer : L.D.C. of CSCS having 8 years regular service in the grade and possessing the qualifications regd. for direct recruits. (Period of deputation ordinarily not exceeding 3 years).	Chairman—Senior Most D.D.G. Members: 1. Adviser (Information Services) 2. Officer nominated to represent the interests of SCs/STs officers. 3. Under Secretary-In-charge of Admn. of Non-Gazetted Staff in the Ministry of Industry (Dep't. of Ind. Dev.). Member (Secretary) : 4. Deputy Director(A).	N.A.

Recruitment Rules for Checker/Puncher/Verifier in the Ministry/Dep't. of D.G.T.D.

Sl. No.	Name of post	No. of posts	Classification	Scale of pay	Whether Selection post or non-selection post	Age Limit for direct recruits.	Educational and other qualification required for direct recruits.
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	Checker/Puncher/Verifier.	Six	General Central Service Group 'C' Non-Gazetted Non-Ministrial	Rs. 260-6-290-EB-6-326-8--366-EB-8-390-10-400 (Plus special pay of Rs. 20/- per month)	N.A.	Between 18—25 years (Relaxable upto 35 years for Govt. Servants). Note : The crucial date for determining the age limit mentioned in col. 7 of the recruitment rules will in each case be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than Andaman & Nicobar Islands and Lakshadweep). In respect of posts, the appointments to which are made through employment exchanges the crucial date for determining the age limit will in each case be the last-date upto which the employment exchanges are asked to submit the names.	1. Matriculation or equivalent. Training in Key Punching/Verifying. *(n) Key Punching speed upto the required standards set by the DGTD and on passing the test on this basis given by the DGTD *This has been added on the advice of the officer incharge after the rules has been approved by the DP&AR.

Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees.	Period of probation if any	Method of rectt. whether by direct recruitment or by promotion or by deputation/transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods.	In case of rectt. by promotion/deputation / transfer/ grades from which promotion/deputation/transfer to be made.	If a D.P.C. exists what is its composition	Circumstances in which UPSC is to be consulted in making rectt.
9	10	11	12	13	14
N.A.	Two years	By deputation failing which by direct recruitment.	Deputation : 1. DCs of CSCS or those holding analogous posts and possessing the qualifications laid down for direct recruits (Period of deputation ordinarily not exceeding three years).	Chairman—Senior Most D.D.G. 1. Members—Adviser (information services). 2. Officer nominated to represent the interests of SCs /STs officials. 3. Under Secretary—In-charge of Admn. of Non-Gazetted Staff in the Ministry of Industry (Deptt. of Ind. Dev.). Member (Secretary) 4. Deputy Director. (Admn.)	N.A.

[F. No. A-12012(3)/79-E-II]

R.K. BANSAL, Director (Admn.).

ऊर्जा मंत्रालय (कोयला विभाग)

नई दिल्ली, 30 सितम्बर, 1981

सां. कां. निं. 930—केन्द्रीय सरकार कोयला खान श्रम कल्याण निधि अधिनियम, 1947 (1947 का 32) की धारा 10 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, कोयला खान श्रम कल्याण निधि नियम, 1949 का कनिष्ठ और संशोधन करना चाहती है। जैसा कि उक्त धारा की उपधारा (1) द्वारा अपेक्षित है, प्रस्तावित संशोधनों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उससे प्रभावित होने की सम्भावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र के प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन की अवधि की समाप्ति पर या उसके पश्चात् विचार किया जाएगा।

ऊपर विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति की तारीख से पूर्व नियमों के उक्त प्रारूप की बाबत जो भी आक्षेप या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

प्राक्प-नियम

1. इन नियमों का संक्षिप्त नाम कोयला खान श्रम कल्याण निधि (संशोधन) नियम, 1981 है।
2. कोयला खान श्रम कल्याण निधि नियम, 1949 के नियम 21 के उप-नियम (4) का लोप किया जाएगा।

[सं. एस-21012/1/81-सी. एम. डब्ल्यू.]

जी० एम० सुब्रह्मण्यम, अवर सचिव

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Coal)

New Delhi, the 30th September, 1981

G.S.R. 930.—The following draft of certain rules further to amend the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1949 which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by section 10 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Act, 1947 (32 of 1947) is published as required by sub-section (1) of the said section for the information of all persons likely to be affected thereby and notice is hereby given that the said draft will be taken into consideration on or after the expiry of forty-five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objections or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified will be taken into consideration by the Central Government.

DRAFT RULES

1. These rules may be called the Coal Mines Labour Welfare Fund (Amendment) Rules, 1981.

2. Sub-rule (4) of rule 21 of the Coal Mines Labour Welfare Fund Rules, 1949 shall be omitted.

[No. S-21012/1/81-CMW]

G. S. SUBRAMANIAN, Under Secy.

कृषि मंत्रालय

(कृषि और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, 26 सितम्बर 1981.

सां. कां. निं. 931 :—राष्ट्रपति, मजिस्ट्रेट के अनुच्छेद 309 के पन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, लक्षद्वीप, मिनीकाय तथा अमीनीदीवा द्वीप के संघ राज्य में मछली सहायक निदेशक (मात्स्यकी) के पद पर भर्ती का पत्रों को विनियमित करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाने हैं, धर्मात्—

1. संक्षिप्त नाम और श्रावण : (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम लक्षद्वीप मिनीकाय अमीनीदीवा द्वीप संघ राज्य क्षेत्र अमीन द्वीप मछली सहायक निदेशक मात्स्यकी भर्ती नियम, 1981 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रबुद्ध होंगे।

2. पद-संख्या, उसका वर्गीकरण और बेतनमान —उक्त पद की संख्या, उसका वर्गीकरण और उसका बेतनमान वे होंगे जो इन नियमों में उपावृद्ध अनुसूची के स्तंभ 2 में 4 में विनिर्दिष्ट हैं।

3. भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं आदि —उक्त पद पर भर्ती की पद्धति, आयु-सीमा, अर्हताएं, और उमरे संबंधित अन्य बातें वे होंगी जो उक्त अनुसूची के स्तंभ 5 में 14 में विनिर्दिष्ट हैं।

4. निरर्हताएं —बहु व्यक्ति —

(क) जिसने ऐसे व्यक्ति में जिसका पति या जिसकी पत्नी जीवित है, विवाह किया है, या

(ख) जिसने अपने पति या अपनी पत्नी के जीवित रहते हुए किसी व्यक्ति में विवाह किया है,

उक्त पद पर नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु यदि केन्द्रीय सरकार का समाधान हो जाता है कि ऐसा विवाह ऐसे व्यक्ति और विवाह के अन्य पक्षकार का लागू स्वीय विधि के अधीन अनुज्ञेय है और ऐसा करने के लिए अन्य आक्षार हैं, तो वह किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकेगी।

5. शिक्षित करने की शक्ति —जहां केन्द्रीय सरकार की राय हो कि ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है वहां, वह उसके लिए जो कारण उन्हें लेखबद्ध करके तथा सघ लोक सेवा आयोग में परामर्श करके इन नियमों के किसी उपबन्ध को, किसी वर्ग या प्रवर्ग के व्यक्तियों या पदों की वाबत, आदेश द्वारा, शिक्षित कर सकेगी।

6. व्यावृत्ति —इस नियमों की कोई बात ऐसे आरक्षण और अन्य रियायतों पर प्रभाव नहीं डालेगी जिनका, केन्द्रीय सरकार द्वारा इस सत्र में समय-समय पर निकाले गए आदेशों के अनुसार अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष प्रवर्ग के व्यक्तियों के लिए उपबन्ध करना अपेक्षित है।

अनुसूची						
पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	बेतनमान	चयन पद अथवा अचयन पद	मोक्ष भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयुसीमा	सेवा में जाड़े गए वर्षों का फायदा केन्द्र मिश्रित सेवा (पेशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अधीन अनुज्ञेय है या नहीं
1	2	3	4	5	6	6अ
मच्छली सहायक निदेशक	1	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह "ख" राजपत्रित अपि-पिकवर्गीय	650-30-740-35-880-50-रो-35-880-40-1000-द-रो-40-1200 रु०	चयन	30 वर्षों में अधिकतम सरकारी सेवाओं के लिए शिक्षित की जा सकती है। टिप्पण :-आयु सीमा अवधारित करने के लिए निर्णायक तारीख भारत में रहने वाले अभ्यर्थियों से (उमरे भिन्न जो अंतिम और निकोबार द्वीप समूह में रहते हैं) आवेदन प्राप्त करने के लिए नियम की गई अंतिम तारीख होगी।	नहीं
						7
						आवश्यक (i) किसी मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से जीव विज्ञान में कम से कम द्वितीय श्रेणी में स्नातकोत्तर उपाधि या समतुल्य मच्छली विज्ञान में स्नातक की उपाधि या समतुल्य अवकाश केन्द्रीय मच्छली शिक्षा मन्त्रालय मुम्बई में मच्छली विज्ञान में डिप्लोमा या समतुल्य। (ii) मच्छली विकास में जिसके अन्तर्गत मच्छली पकड़ना तथा मच्छली विपणन भी हो। किन्ता उत्तर-दक्षिण हैमिपट से ताप करने का 2 वर्ष का अनुभव। टिप्पण : (1) अर्हताएं अन्यथा सुप्रसिद्ध अभ्यर्थियों की दशा में संघ लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार शिक्षित की जा सकती हो।

1	2	3	4	5	6	6अ	7
						टिप्पण (2) अनुभव संबंधी अर्हता (अर्हताएं) मंत्र लोक सेवा आयोग के विवेकानुसार अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जनजातियों के अभ्याथियों के मामले में उस दशा में शिक्षित की जा सकती है, जबकि चयन के किसी प्रकार पर मंत्र लोक सेवा आयोग का यह राय हो कि इसके लिए आरक्षित रिक्त स्थानों को भरने के लिए अशिक्षित अनुभव रखने वाले इन गमुदायों के अभ्याथी पर्याप्त संख्या में उपलब्ध नहीं हो सकेंगे।	
						बांछनीय (1) दूना मछली पकड़ने का अनुभव (2) नौक निर्माण का अनुभव (2) स्थानीय भाषा का ज्ञान	
सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए विहित आयु और शैक्षिक अर्हताएं प्रोन्नति की दशा में लागू होती या नहीं	परिक्षा की अवधि यदि कोई हो तो	भर्ती की पद्धति—भर्ती सीधे होगी प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/ स्थानान्तरण द्वारा भरी जाने वाली रिक्तियों का प्रतिष्ठान	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण द्वारा भर्ती की दशा में वे श्रेष्ठियां जिनमें प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानान्तरण किया जाएगा	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति हो तो उसकी सलाह	भर्ती करने में कितने पारस्परिकता में सब लोक सेवा आयोग में परामर्श किया जाएगा		
8	9	10	11	12	13		
नहीं	2 वर्ष	प्रोन्नति द्वारा जिनके न हो सकने पर सीधी भर्ती द्वारा और दोनों के तहत करने पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा	प्रोन्नति : ऐसी मछली अधिकारी/ अधीक्षक नौका निर्माण याई/ अधीक्षक मछली केन्द्र जिनमें अपनी श्रेणी में 3 वर्ष सेवा की है। प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण, केन्द्र सरकार से राज्य सरकारों/संघ राज्य क्षेत्रों के ऐसे अधिकारी। (1) जो मनुष्य पर धारण किए हुए हैं, या (2) जिन्होंने 550-900 रु० के या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर 3 वर्ष सेवा की है या 425-800 रु० या समतुल्य वेतनमान वाले पदों पर 8 वर्ष सेवा की है जिनके पास स्वयं 8 के सीधी भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए अधि- कृत प्रकार की शैक्षिक अर्ह- ताएं तथा अनुभव हैं। (प्रतिनियुक्ति की अवधि सामान्यतः 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी)	समृद्धि विभागीय प्रोन्नति समिति से निम्नलिखित होंगे (1) कन्स्ट्रक्टर और विकास आयुक्त—अधीक्षक (2) पुलिस अधीक्षक— सदस्य (3) कार्यपालक इंजीनियर/ ज्येष्ठ चिकित्सा अधि- कारी—सदस्य मछली निदेशक—सदस्य टिप्पण : पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रतिनियुक्ति की कार्यवाहियां मंत्र लोक सेवा आयोग के अनु- मोदनार्थ भेजी जाएंगी किन्तु यदि लोक सेवा आयोग का समर्थन नहीं करता है तो विभागीय प्रोन्नति समिति को बैठक संघ लोक सेवा के अधीक्षक या किसी सदस्य की अध्यक्षता में किए से होंगी।	सोची भर्ती करने समर्थ, प्रतिनियुक्ति किसी अधिकारी का चयन और इस विषयों के किसी प्रावधान में संशोधन/शिथिलता संघ लोक सेवा आयोग से परामर्श करना आवश्यक है।		

[सं० 30011/8/78-भा (त-1)]

एम० गुरिया, अवर सचिव

MINISTRY OF AGRICULTURE**(Department of Agriculture and Cooperation)**

New Delhi, the 26th September, 1981

G.S.R. 931.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules, regulating the methods of recruitment to the post of Assistant Director of Fisheries in the Union Territory of Lakshadweep, Minicoy and Amindivi Islands, namely :—

1. Short title and commencement.—(1) These rules may be called the Union Territory of Lakshadweep, Minicoy and Amindivi Islands (Assistant Director of Fisheries) Recruitment Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette

2. Number of posts, classification and scale of pay.—The number of the said post, its classification and the scale of pay attached thereto, shall be as specified in columns 2 to 4 of the Schedule annexed to these rules.

3. Method of recruitment, age limit, qualifications, etc.—The method of recruitment, age limit, qualifications and other matters relating to the said post shall be as specified in columns 5 to 14 of the said Schedule.

4. Disqualification—No person,—

(a) who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living; or

(b) who, having a spouse living, has entered into or contracted a marriage with any person,

shall be eligible for appointment to the said post :

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and that there are other grounds for so doing, exempt any person from the operation of this rule.

5. Power to relax.—Where the Central Government is of opinion that it is necessary or expedient, so to do, it may, by order, for reason to be recorded in writing, and in consultation with the Union Public Service Commission, relax any of the provisions of these rules with respect to any class or category of persons.

6. Saving.—Nothing in these rules shall effect reservations, relaxation of age limit and other concessions required to be provided for the Scheduled Castes, the Scheduled Tribes and other special categories of persons in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time in this regard

SCHEDULE

Recruitment rules for the post of Assistant Director of Fisheries, Department of Fisheries, Lakshadweep Administration

Name of Post	No. of Posts	Classification	Scale of Pay	Whether Selection Post or non-Selection Post	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of Service admissible under rule 30 of the C.C.S. (Pension) Rules, 1972	Educational & other qualifications required for direct recruits
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(6a)	(7)
Assistant Director of Fisheries.	1	General Central Service, Group 'B' Gazetted, Non-Ministerial.	Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.	Selection	Not exceeding 30 years (Relaxable for Government servants). Note:—The crucial date for determining the age limit shall be the closing date for receipt of applications from candidates in India (other than those in the Andamans & Nicobar Islands and Lakshadweep)	No.	Essential: (i) At least Second Class Master's degree in Zoology of a recognised University or equivalent or a Bachelor's Degree in Fisheries Science or equivalent. OR Diploma in Fisheries Science from Central Institute of Fisheries Education, Bombay or equivalent. (ii) 2 years' experience in a responsible capacity in fisheries development, including fishing and marketing of fish. Note (1) : Qualifications are relaxable at the discretion of the UPSC in case of candidates otherwise well qualified.

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
						Note (2) : The qualification(s) regarding experience is/are releasable at the discretion of the UPSC in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes if at any stage of selection the UPSC, is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities possessing the requisite experience are not likely to be available to fill the vacancies reserved for them. Desirable: (i) Experience in Tuna Fishing. (ii) Experience in Boat Building. (iii) Knowledge of local language/dialect.
Whether age & educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation if any	Method of rectt. whether by direct rectt. or by promotion or by deputation/transfer & percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of rectt. by promotion/deputation/transfer, grades from which promotion/deputation/transfer to be made	If a DPC exists, what is its composition		Circumstances in which U.P. S.C. is to be consulted in making rectt.
(8)	(9)	(10)	(11)	(12)		(13)
No.	2 years.	By promotion, failing which by direct recruitment and, failing both by transfer on deputation.	Promotion: Fisheries Officer/Superintendent Boat Building yard/-Superintendent Fisheries Training Centre with 3 years' regular service in the respective grade. Transfer on deputation: (a) Officers under the Central/State Government/Union Territories: (i) holding analogous posts; or (ii) with 3 years' service in posts in the scale of Rs. 550-900 or equivalent; or (iii) with 8 years' service in posts in the scale of Rs. 425-700 or equivalent; and (b) possessing the educational qualifications and experience of the type laid down for direct recruits under column 8. (Period of deputation shall ordinarily not exceed 3 years).	Group 'B' DPC consisting of:— 1. Collector-cum-Development Commissioner—Chairman. 2. Superintendent of Police—Member. 3. Executive Engineer Senior Medical Officer—Member. 4. Director of Fisheries—Member. Note: The Proceedings of the DPC relating to confirmation shall be sent to the Commission for approval if, however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the DPC to be presided over by the Chairman or a Member of the UPSC shall be held.		Consultation with Union Public Service Commission is necessary while making direct recruitment, selecting an officer for appointment on deputation and amendment relaxing any of the provisions of these rules.

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1981

New Delhi, the 28th September, 1981

सां.कां.निं० 932—राष्ट्रपति, संविधान के अनुच्छेद 309 के परन्तुष द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, साधारण केन्द्रीय सेवा (समूह "ग" और समूह "घ") अतिरिक्त पद दिल्ली दुग्ध योजना, नई दिल्ली भर्ती नियम, 1964 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् —

(1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम साधारण केन्द्रीय सेवा (समूह "ग" और समूह "घ") अतिरिक्त पद (दिल्ली दुग्ध योजना, नई दिल्ली) भर्ती (संशोधन) नियम, 1981 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2 साधारण केन्द्रीय सेवा (समूह "ग" और समूह "घ") अतिरिक्त पद (दिल्ली दुग्ध योजना, नई दिल्ली) भर्ती नियम, 1964 की अनुसूची में फिटर (परिवहन) अर्ध कुशल प्रबालक (श्रेणी II) केन्द्रीय डेयरी और पहरा व निगरानी कर्मचारियों द्वारापाल जिसके अन्तर्गत चौकीदार भी हैं) पदों के सामने, स्तंभ 1 की प्रविष्टियों के स्थान पर कमश निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएँगी, अर्थात्:—

- (1) "फिटर (ऑटो मैकेनिक)"
- (2) "अर्ध कुशल प्रबालक (केन्द्रीय डेयरी)"
- (3) "पहरा"

[सं० 3-6/81-एल जी I]

के० उप्पिलियप्पन, निदेशक (डी डी)

G.S.R. 932.—In exercise of the powers conferred by the proviso to Article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following rules further to amend the General Central Services (Group 'C' and Group 'D') Additional Posts (Delhi Milk Scheme, New Delhi) Recruitment Rules, 1964, namely:—

1. (1) These rules may be called the General Central Services (Group 'C' and Group 'D') Additional Posts (Delhi Milk Scheme, New Delhi), Recruitment (Amendment) Rules, 1981.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Schedule to the General Central Services (Group 'C' and Group 'D') Additional Post, (Delhi Milk Scheme, New Delhi) Recruitment Rules, 1964, against the posts of Fitter (Transport), Semi Skilled operative (Grade II) (Central Dairy) and Watch and Ward Staff (Gate Keeper including Watchman) in Column 1, for the entries, the following entry shall respectively be substituted, namely:—

- (1) "Fitter (Auto Mechanic)".
- (2) "Semi Skilled Operative (Central Dairy)".
- (3) "Watchman".

[No. 3-6/81-LD. I]

K. UPPILIAPPAN, Director (DD).

ग्रामीण पुनर्विकास संज्ञासूचक

नई दिल्ली, 25 सितम्बर, 1981

सां० कां० निं० 933 —केन्द्रीय सरकार, कृषि उत्पाद (श्रेणीकरण और चिह्नीकरण) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तिल बीज श्रेणीकरण और चिह्नीकरण नियम, 1980 बनाना चाहती है। जैसा कि उक्त धारा में अपेक्षित है, उक्त नियमों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उमते प्रभावित होने को संभावना है; और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैसालीस दिन की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा।

इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पूर्व उक्त प्रारूप की बाबत जो भी आक्षेप या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

प्रारूप का नियम

1. संक्षिप्त नाम और लागू होना: (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम तिल बीज श्रेणीकरण और चिह्नीकरण नियम, 1981 है।

(2) ये भारत में उत्पादित तिल बीजों को लागू होंगे।

2 परिभाषाएं: इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

(1) "कृषि विपणन सलाहकार" से भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार अभिप्रेत है;

(2) "अनुसूची" से इन नियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है;

(3) "प्राधिकृत पैकर" से ऐसा व्यक्ति या व्यक्ति-निकाय अभिप्रेत है जिसे कृषि विपणन सलाहकार द्वारा, किसी वस्तु को नियमों के अधीन चिह्नित श्रेणीमान और प्रक्रिया के अनुसार श्रेणीकृत और एमार्ग चिह्नित करने के लिए प्राधिकरण प्रमाणपत्र अनुदत्त किया गया है;

(4) "प्रमाणपत्र" से प्राधिकरण प्रमाणपत्र अभिप्रेत है।

3. श्रेणी अभिधान: तिल बीजों की क्वालिटी को उपवर्गित करने वाला श्रेणी अभिधान वह होगा जो अनुसूची 1 के स्तम्भ 1 में अधिकृत है।

4. क्वालिटी की परिभाषा: श्रेणी अभिधान द्वारा उपवर्गित क्वालिटी की परिभाषा वह होगी जो अनुसूची 1 के स्तम्भ 2 से 9 में प्रत्येक श्रेणी अभिधान के सामने अधिकृत है।

5. श्रेणी अभिधान चिह्न: श्रेणी अभिधान चिह्न एक ऐसा लेबल होगा जिस पर श्रेणी अभिधान विनिर्दिष्ट होगा और ऐसा डिजाइन बना होगा जिसमें भारत की रूप रेखा, मान चिह्न, एमार्क शब्द और Produce of India तथा भारतीय उत्पाद शब्दों सहित उल्टे हुए सूर्य का चिह्न होगा जो अनुसूची 2 में उपवर्गित चिह्न के समूह होगा।

6. चिन्हकृत पद्धति : (1) श्रेणी अधिधान चिन्ह कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति में प्रत्येक पैकेज पर मजबूती से चिपकाया जाएगा।

(2) श्रेणी अधिधानों के अतिरिक्त लेबल पर निम्नलिखित प्रविष्टियाँ भी स्पष्टन चिह्नित की जाएगी।

(क) पैक करने की तारीख

(ख) पैकर का नाम और पता

(ग) शुद्ध भार और

(घ) कोई अन्य विनिर्दिष्टियाँ या जो कृषि विपणन सलाहकार समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

(3) प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सलाहकार से पूर्व अनुमोदन अधिप्राप्त करने के पश्चात् किसी आधान पर अपना प्राइवेट व्यापार चिन्ह उक्त अधि-कारी द्वारा अनुमोदित रीति में अंकित कर सकेगा परन्तु यह तब जब कि निजी व्यापार चिन्ह इस नियमों के अनुसार आधान पर चिपकाया गए श्रेणी अधिधान चिन्ह द्वारा तिल बीजों को उपर्युक्त क्वालिटी या श्रेणी से भिन्न क्वालिटी या श्रेणी उपर्युक्त न करता हो।

7. पैक करने की पद्धति : (1) तिल बीज बी-ट्रिबल जूट के बोरे में या किसी अन्य प्रकार के आधान में ऐसी रीति में पैक किए जाएंगे जो कृषि विपणन सलाहकार समय-समय पर अवधारित करे।

(2) पैकिंग सामग्री स्वच्छ और शुष्क होगी, फफूँबी, कीट संक्रमण और दुर्गन्ध से मुक्त होगी।

(3) प्रत्येक पैकेज में एक ही किस्म के और एक ही श्रेणी के अधिधान के तिल बीज होंगे।

(4) प्रत्येक पैकेज को कृषि विपणन सलाहकार द्वारा चिह्नित रीति में सुरक्षित रूप से बन्ध और सीलबन्ध किया जाएगा।

अनुसूची

[नियम 3 और 4 देखिए]

तिल बीज का श्रेणी अधिधान और क्वालिटी की परिभाषा

क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अधिधान

विशेष	विशेष लक्षण						साधारण लक्षण
	विजातीय पदार्थ भार के अनुसार प्रतिशत	अतिग्रस्त अपवर्णित बीज भार के अनुसार प्रतिशत	अपरिपक्व मुरीदार और थोथे बीज, भार के अनु-सार प्रतिशत	अन्य किस्मों/ प्रकारों का प्रचुर मिश्रण, भार के अनुसार प्रतिशत	तेल अन्तर्वस्तु भार के अनुसार प्रतिशत	आर्द्रता अन्तर्वस्तु भार के अनुसार प्रतिशत	कुल अपवर्ण्य (स्तम्भ 2 से 4 तक का योग), भार के अनुसार प्रतिशत
	(अधिकतम)	(अधिकतम)	(अधिकतम)	(अधिकतम)	(न्यूनतम)	(अधिकतम)	(अधिकतम)
1	2	3	4	5	6	7	8
विशेष	0.5	शून्य	1.0	5.0	50.0	5.0	1.5
अच्छा	1.0	1.0	2.0	10.0	45.0	5.0	2.0
साधारण	2.0	2.0	3.0	15.00	40.0	5.0	3.0

तिल बीज—
(क) सिलेसम इंडियन एल साइन सिलेसम ओरिएंटल लिन पोथे से अभिप्रेत बीज होंगे।
(ख) रूप आकार और रंग में समान होंगे।
(ग) फफूँबी और कीट संक्रमण, जीवित कीटों दुर्गन्ध, मृतक दूधण, उत्सर्ग, घाघ तेल बीजों कृत्रिम रंगाई और विनिर्दिष्ट सीमा तक के सिवाय उपर्युक्त से मुक्त होंगे।

परिभाषा :

(1) विजातीय द्रव्य : इसके अन्तर्गत धूल, मिट्टी के पिण्ड, गंदगी, कंकड़, तने का मूसा या अन्य अपवर्ण्य और/या कोई अन्य खाद्य/अखाद्य बीज है।

(2) अतिग्रस्त और अपवर्णित : वे बीज होंगे जो सारतः या आन्तरिक रूप से इस प्रकार अतिग्रस्त या अपवर्णित है जिससे कि उनकी क्वालिटी पर प्रभाव पड़ता है। कम अतिग्रस्त बीज से ऐसे बीज अभिप्रेत हैं जो थोड़ा बहुत अतिग्रस्त या अपवर्णित हैं जिससे कि उनकी क्वालिटी पर सारतः प्रभाव नहीं पड़ता है।

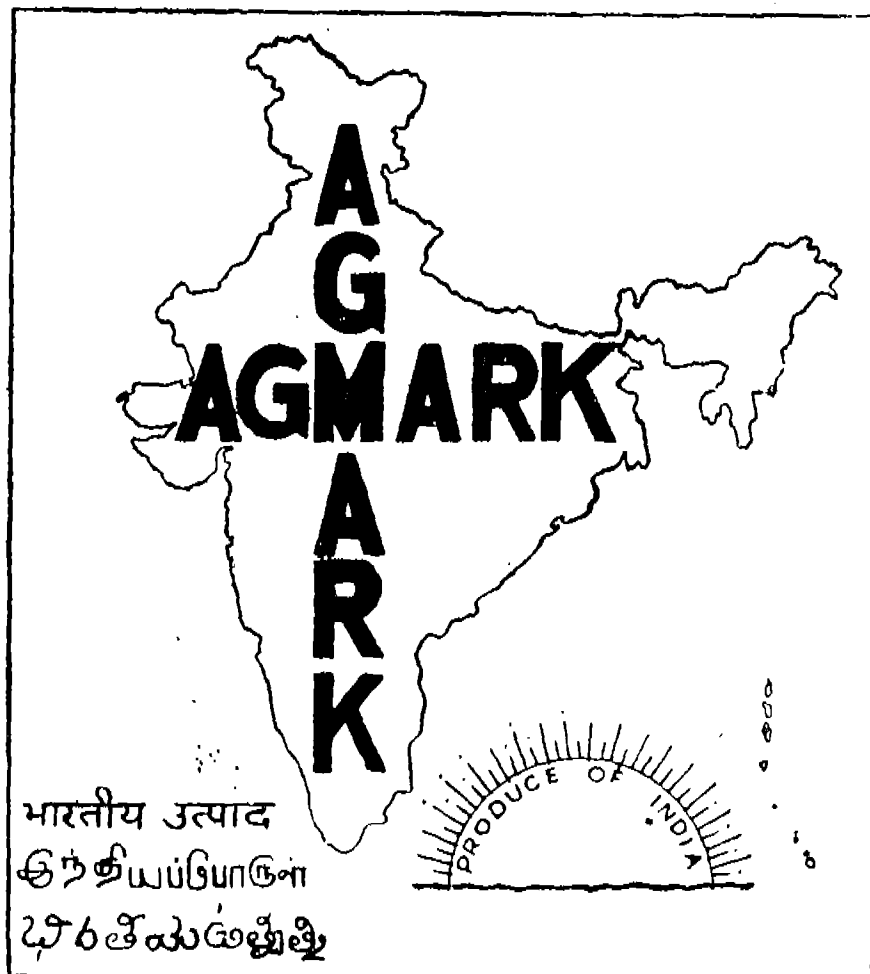
(3) अपरिपक्व, मुरीदार और थोथे बीज : वे बीज होंगे जो अपूर्णतः विकसित या मुरीदार हैं। थोथे बीज वे बीज होंगे जो सीसा से खोखले हैं और अंगुलियों से पीसे जा सकते हैं।

(4) अन्य प्रकारों/किस्मों का अधिमिश्रण : वे ऐसा अधिमिश्रण अभिप्रेत है जिसमें धूरे काले या अन्य रंगों के तिल बीज मफेद रंग के तिल बीजों में या विपर्ययन मिले हैं।

अनुसूची 2

(नियम 5 देखिए)

श्रेणी अभिधान चिन्ह



[सं० 10-9/80-ए एम]

MINISTRY OF RURAL RECONSTRUCTION

New Delhi, the 25th September, 1981

G.S.R. 933.—The following draft of the Sesame seeds Grading and Marking Rules, 1981, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), is published as required by the said Section for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft shall be taken into consideration after the expiry of forty-five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified, shall be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. Short title and application.—(1) These rules may be called the Sesame Seeds Grading and Marking Rules, 1981.

(2) They shall apply to Sesame seeds produced in India.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires :—

- (1) "Agricultural Marketing Adviser" means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India;
- (2) "Schedule" means a schedule appended to these rules;
- (3) "Authorised packer" means a person or a body of persons who has been granted a certificate of authorisation by the Agricultural Marketing Adviser, for

getting the commodity graded and Agmarked in accordance with the grade standards and procedure prescribed under the rules;

(4) "Certificate" means Certificate of Authorisation.

3. Grade designations.—The grade designation to indicate the quality of the Sesame seeds shall be as set out in column 1 of Schedule I.

4. Definition of quality.—The quality indicated by the grade designations shall be as set out against each grade designations in column 2 to 9 of Schedule I.

5. Grade designation mark.—The grade designation mark shall consist of a label specifying the grade designation and bearing a design consisting of outline map of India the word AGMARK and figure of the rising sun with the words

"Produce of India" and "भारतीय उत्पाद" resembling the mark as set out in Schedule II.

6. Method of marking.—(1) The grade designation mark shall be securely affixed to each package in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(2) In addition to the grade designation, the following particulars shall also be clearly marked on the label :

(a) date of packing;

(b) name and address of packer;

(c) Net weight; and,

(d) Any other particulars, as may be specified by the Agricultural Marketing Adviser, from time to time.

(3) The authorised packer may, after obtaining the prior approval of the Agricultural Marketing Adviser, mark his private trade mark on a container in a manner approved by the said officer, provided that the private trade mark does not represent a quality or grade of Sesame seeds different from that indicated by the grade designation mark affixed to the container in accordance with these rules.

7. Method of packing.—(1) Sesame seeds shall be packed in B-Twill Jute gunny bags or any other type of container and in such manner as may be specified from time to time by the Agricultural Marketing Adviser.

(2) Packing material shall be clean and dry, free from fungus and insect attack and obnoxious smell.

(3) Each package shall contain the Sesame seeds of the same variety and of the same grade designation.

(4) Each package shall be securely closed and sealed in the manner prescribed by the Agricultural Marketing Adviser.

SCHEDULE I

(See rules 3 & 4)

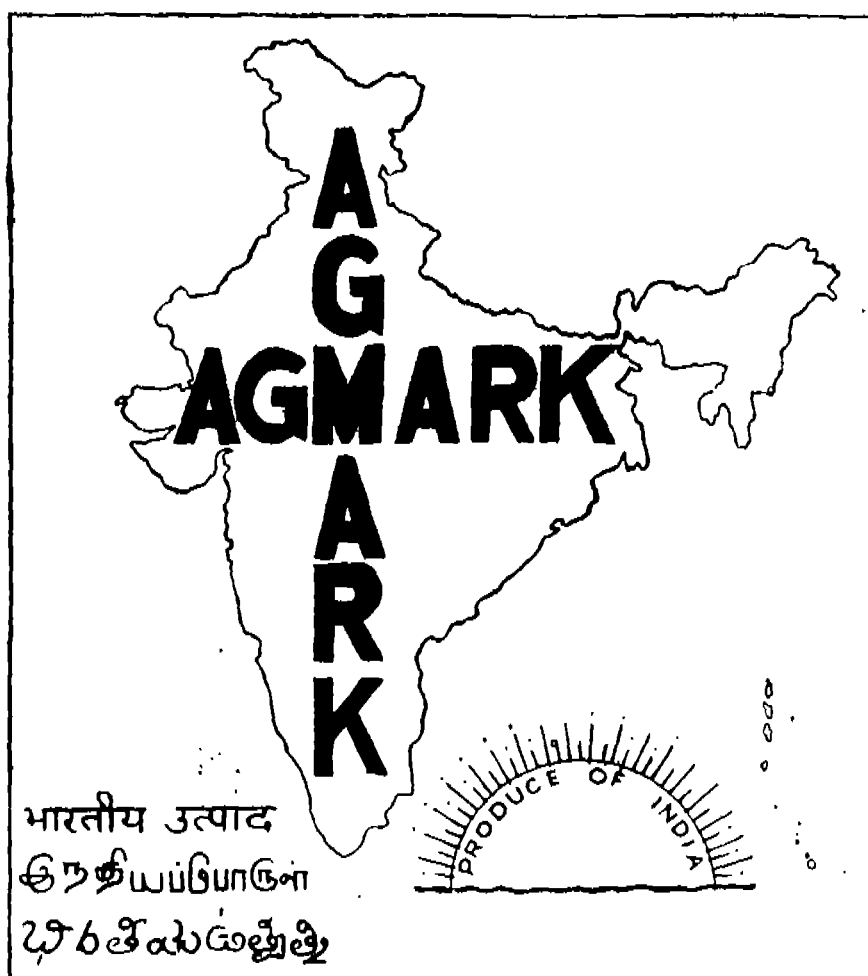
Grade designation and definition of quality of Sesame seeds

Grade designation	Definition of quality						General Characteristics	
	Special Characteristics							
	Foreign matter, per cent by Weight (Maximum)	Damaged and discoloured Seeds, per cent by weight (Maximum)	Immature shrivelled and dead seeds, per cent by weight (Maximum)	Admixture of other varieties/ types, per cent by weight (Maximum)	Oil content, per cent by weight (Minimum)	Moisture content, percent by weight (Maximum)		
1	2	3	4	5	6	7	8	9
Special	0.5	Nil	1.0	5.0	50.0	5.0	1.5	The Sesamum seeds shall be:— (a) the seeds obtained from the plant Sesamum indicum L Syn. Sesamum Orientale Linn. (b) uniform in shape, size and colour; (c) free from fungus and insect attack, live insects, obnoxious smell, rodent contamination, excreta, non-edible oilseeds, artificial colouration and all other impurities except to the extent specified.
Good	1.0	1.0	2.0	10.0	45.0	5.0	2.0	
General	2.0	2.0	3.0	15.0	40.0	5.0	3.0	

Definitions :

- (1) **Foreign matter** : means dust, lumps of each, dirt, stones, stem straw or any other impurity and/or any other edible/non-edible seeds.
- (2) **Damaged and slightly damaged**: are the seeds that are materially or internally damaged or discoloured, so as to affect the quality of the material. Slightly damaged means the seeds which are superficially damaged or discoloured not materially affecting the quality.
- (3) **Immature, shrivelled and dead** : are the seeds which are imperfectly developed and/or strunken. Dead seeds are those seeds which are duds and can be easily crushed by fingers.

SCHEDULE II
(See rule 5)
Grade designation mark



[No.10-9/80-AM]

सं०का०वि० 934.—केन्द्रीय सरकार, कृषि उत्पाद (श्रेणीकरण और चिन्हांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए रामतिल बीज श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1980 बनाना चाहती है। जैसा कि उक्त धारा में प्रवक्षित है, उक्त नियमों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जाता है जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है और सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन की समाप्ति के पश्चात विचार किया जाएगा।

इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि की समाप्ति के पूर्व उक्त प्रारूप की बाबत जो भी आक्षेप या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

प्राकटन नियम

3. संक्षिप्त नाम और लागू होना: (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम 'रामतिल बीज श्रेणीकरण और चिन्हांकन नियम, 1981' है।
- (2) ये भारत में उत्पादित तिल बीजों को लागू होंगे।
2. परिभाषाएं: इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—
 - (1) "कृषि विपणन सलाहकार" से भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार अभिप्रेत है;
 - (2) "अनुसूची" से इन नियमों से संलग्न अनुसूची अभिप्रेत है;
 - (3) 'प्राधिकृत पेंकर' से ऐसा व्यक्ति या व्यक्ति-निकाय अभिप्रेत है जिसे कृषि विपणन सलाहकार द्वारा, किसी वस्तु को नियम के अधीन चिन्हांकन और प्रक्रिया के अनुसार श्रेणीकरण और एमार्क चिन्हांकन कराने के लिए प्राधिकरण प्रमाणपत्र अनुवर्त किया गया है;
 - (4) "प्रमाणपत्र" से प्राधिकरण प्रमाणपत्र अभिप्रेत है।
3. श्रेणी अभिधान: रामतिल बीजों की क्वालिटी को उपदर्शित करने वाला श्रेणी अभिधान वह होगा जो अनुसूची 1 के स्तम्भ 1 में अधिकृत है।
4. क्वालिटी की परिभाषा: श्रेणी अभिधान द्वारा उपदर्शित क्वालिटी की परिभाषा वह होगी जो अनुसूची 1 के स्तम्भ 2 से 7 में प्रत्येक श्रेणी अभिधान के सामने अधिकृत है।

5. श्रेणी अभिधान चिन्ह : श्रेणी अभिधान चिन्ह एक ऐसा लेबल होगा जिस पर श्रेणी अभिधान विनिर्दिष्ट होगा और ऐसा चिह्नित बना होगा जिसमें भारत की रूप रेखा मानचित्र, एग्मार्क शब्द और Produce of India तथा "भारतीय उत्पाद" शब्दों सहित उल्टे होते हुए सूर्य का चित्र होगा जो अनुसूची 2 में उपवर्णित चिन्ह के समान होगा।

6. चिन्हकृत पद्धति : (1) श्रेणी अभिधान चिन्ह कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति से प्रत्येक पैकेज पर मजबूती से चिपकाया जाएगा ;

(2) श्रेणी अभिधान के अतिरिक्त लेबल पर निम्नलिखित प्रविष्टियां भी स्पष्टतः चिन्हित की जाएंगी ;

(क) पैक करने की तारीख ;

(ख) पैक का नाम और पता ;

(ग) शुद्ध भार और

(घ) कोई अन्य विनिर्दिष्ट जो कृषि विपणन सलाहकार समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे।

(3) प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सलाहकार से पूर्व अनुमोदन अभिप्राप्त करने के पश्चात् किसी आधान पर अपना प्राइवेट व्यापार चिन्ह उक्त अधिकारी द्वारा अनुमोदित रीति में अंकित कर सकेगा परन्तु यह तब जब कि निजी व्यापार चिन्ह इन नियमों के अनुसार आधान पर चिपकाया गए श्रेणी अभिधान चिन्ह द्वारा रामतिल बीजों की उपवर्णित क्वालिटी या श्रेणी से भिन्न क्वालिटी या श्रेणी उपवर्णित न करना हो।

7. पैक करने की पद्धति : (1) रामतिल बीज बी-टिशन ग्रेड के बोरे में या किसी अन्य प्रकार के आधान में ऐसी रीति में पैक किए जाएंगे जो कृषि विपणन सलाहकार समय-समय पर अवधारित करे।

(2) पैकिंग सामग्री स्वच्छ और शुष्क होगी, कफूदी, कीट संक्रमण और दुर्गन्ध से मुक्त होगी।

(3) प्रत्येक पैकेज में एक ही किस्म के और एक ही श्रेणी के अभिधान के रामतिल बीज होंगे।

(4) प्रत्येक पैकेज की कृषि विपणन सलाहकार द्वारा निहित रीति में सुरक्षित रूप से बन्द और सीलबन्द किया जाएगा।

अनुसूची

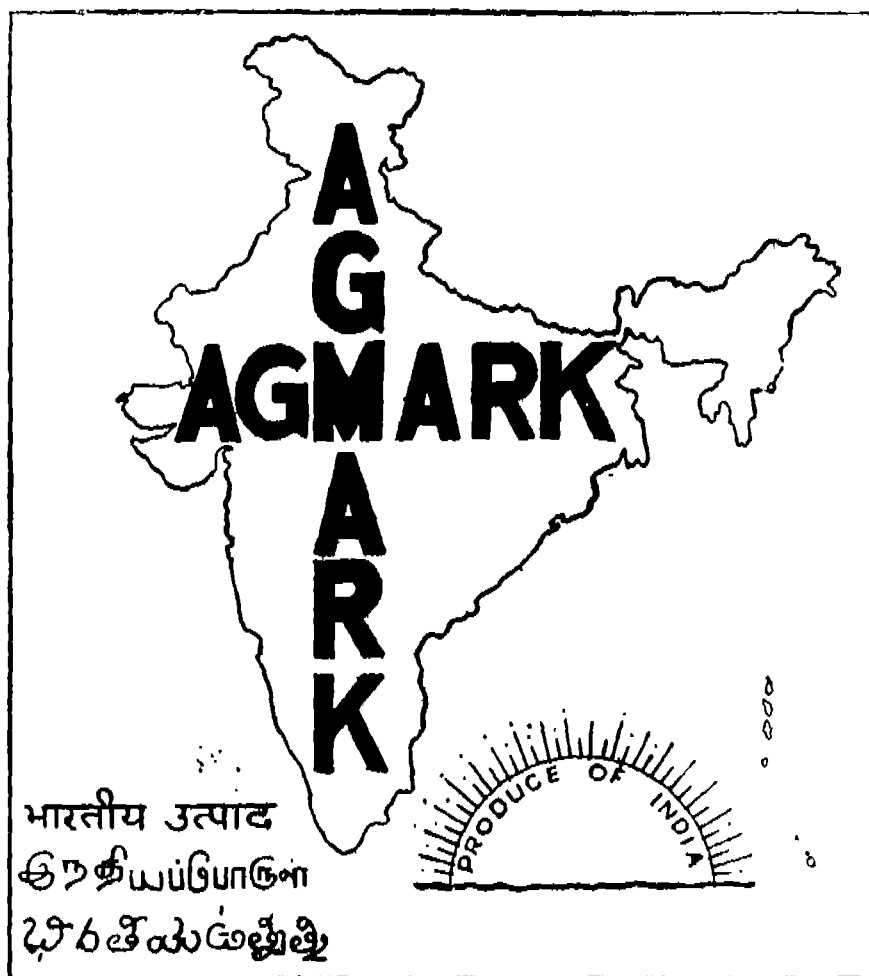
(नियम 3 और 4 देखिए)

राम तिल बीज का श्रेणी अभिधान और क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभिधान	क्वालिटी की परिभाषा विशेष लक्षण				साधारण लक्षण		
	विजातीय अव्य, भार के अनुसार प्रतिशत (अधिकतम)	अपरिपक्व, झुर्रि- दार और धोये बीज, भार के अनुसार प्रतिशत (अधिकतम)	क्षतिग्रस्त, अपवर्णित और हल्के क्षति- ग्रस्त, भार के अनुसार प्रतिशत (अधिकतम)	कुल उपद्रव (स्तम्भ आर्द्रता अन्तर्बस्तु 2 से 4 तक का योग) भार के अनुसार प्रतिशत (अधिकतम)	तेल अन्तर्बस्तु भार के अनुसार प्रतिशत (अधिकतम)	भार के अनुसार प्रतिशत (न्यूनतम)	
1	2	3	4	5	6	7	8
विशेष	0.5	1.0	1.0	1.0	6.0	38.0	रामतिल बीज—
अच्छी	1.0	2.0	2.0	2.0	6.0	35.0	(1) झूजोटिया
साधारण	1.0	3.0	3.0	3.0	6.0	32.0	एक्सीनिका पीछे से अभिप्राप्त किए जाएंगे। (2) रूप, आकार और रंग में समान होंगे। (3) कफूदी और कीट संक्रमण जीवित कीटों, दुर्गन्ध कृतक दूषण और सत्सर्ग रोगों पदार्थ, प्रकाश बीजों से मुक्त होंगे।

- परिभाषा : (1) विजीतीय द्रव्य : इसके अन्तर्गत धूल, मिट्टी के पिण्ड, गंदगी, कंकण, तने का भूसा या अन्य अपद्रव्य और/या अन्य कोई खाद्य/अखाद्य बीज है।
- (2) सर्परीकृत, झुरीदार और धोये बीज : वे बीज हाथ जा पहुँचने पर भस्मिय या सुरक्षित हैं। धोये बीज वे बीज होंगे जो भीतर से धोये हैं और घाँसियों से पीसे जा सकते हैं।
- (3) क्षतिग्रस्त, और हल्के बीज क्षतिग्रस्त अपवर्णित : वे बीज होंगे जो मारत, या आन्तरिक रूप से इस प्रकार क्षतिग्रस्त या अपवर्णित हैं जिससे कि उनकी क्वालिटी पर प्रभाव पड़ता है। हल्के क्षतिग्रस्त बीज से ऐसे बीज अभिप्रेत हैं जो थोड़ा बहुत क्षतिग्रस्त या अपवर्णित हैं जिससे कि उनकी क्वालिटी पर सारत, प्रभाव नहीं पड़ता है।

अनुसूची 2
(नियम 5 देखिये)
श्रेणी अभिधान चिह्न



[सं० 10-9/80 ए एन]

G.S.R. 934.—The following draft of the Niger Seeds Grading and Marking Rules, 1981, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), is published as required by the said Section for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft shall be taken into consideration after the expiry of forty-five days from the date of publication of this Notification in the Official Gazette.

Any objection or suggestions which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified, shall be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. Short title and application.—(1) These rules may be called the Niger Seeds Grading and Marking Rules, 1981.

(2) They shall apply to the Niger Seeds produced in India.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires :—

- (1) "Agricultural Marketing Adviser" means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India ;
- (2) "Schedule" means a Schedule appended to these rules ;
- (3) "Authorised packer" means a person or a body of persons who has been granted a certificate of authorisation by the Agricultural Marketing Adviser, for getting the commodity graded and Agmark in

accordance with the grade standards and procedure prescribed under the rules :

(4) "Certificate" means Certificate of Authorisation.

3. Grade designations.—The grade designation to indicate the quality of the Niger Seeds shall be as set out in column 1 of Schedule I.

4. Definition of quality.—The quality indicated by the designations shall be as set out against each grade designations in columns 2 to 7 of Schedule I.

5. Grade designation mark.—The grade designation mark shall consist of a label specifying the grade designation and bearing a design consisting of outline map of India with the work AGMARK and figure of the rising sun with the words "Produce of India and resembling the mark as set out in Schedule II.

6. Method of Marking.—(1) The grade designation mark shall be securely affixed to each case/package in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(2) In addition to the grade designation, the following particulars shall also be clearly marked on the label :

- (a) date of packing;
- (b) name and address of packer;
- (c) net weight; and;

(d) any other particulars as may be specified by the Agricultural Marketing Adviser, from time to time.

(3) The authorised packer may, after obtaining the prior approval of the Agricultural Marketing Adviser, mark his private trade mark on a container in a manner approved by the said officer, provided that the private trade mark does not represent a quality or grade of Niger-seeds different from that indicated by the grade designation mark affixed to the container in accordance with these rules.

7. Method of packing.—(1) Niger Seeds shall be packed in B-Twill Jute gunny bags or any other type of container and in such manner as may be specified from time to time by the Agricultural Marketing Adviser.

(2) Packing material shall be clean and dry, free from fungus and insect attack and obnoxious smell.

(3) Each package shall contain the Niger seeds of the same variety and of the same grade designation.

(4) Each package shall be securely closed and sealed in the manner prescribed by the Agricultural Marketing Adviser.

SCHEDULE I

(See rule 3 and 4)

Grade designation and definition of quality of Niger seeds

Grade designation	Definition of quality					General characteristics	
	Special characteristics						
	Foreign matter, percent by weight (Maximum)	Immature Shrivelled and dead seeds, per cent by weight (Maximum)	Damaged discoloured and slightly damaged, per cent by weight (Maximum)	Total impurities (total of Col. 2 to 4), per cent by weight (Maximum)	Moisture content percent by weight (Maximum)	Oil content percent by weight (Minimum)	
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.
Special	0.5	1.0	1.0	1.0	6.0	38.0	Niger seeds shall be (1) obtained from the plant <i>Guizotia abyssynica</i> cers; (2) uniform in shape, size and colour; (3) free from fungus and insect attack, live insects obnoxious smell, rodent contamination and excreta, colouring matter, non-edible seeds.
Good	1.0	2.0	2.0	2.0	6.0	35.0	
General	1.0	3.0	3.0	3.0	6.0	32.0	

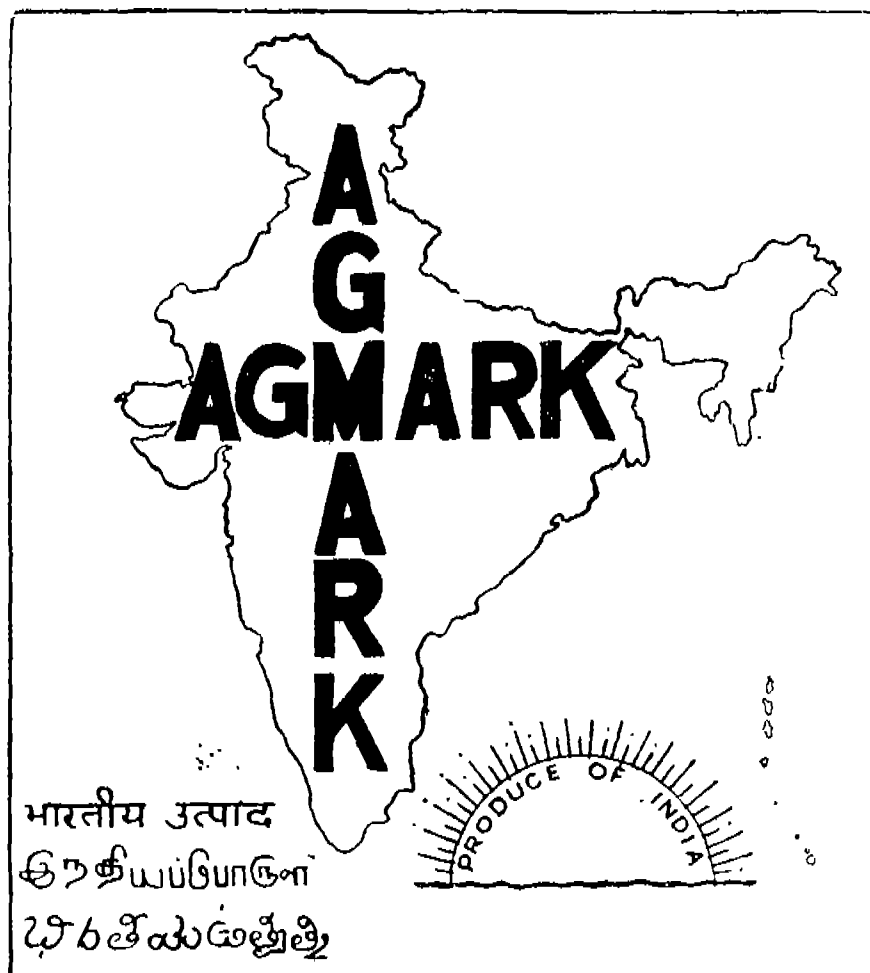
Definitions :

(1) Foreign matter: means dust, lumps of each, dirt, stones, stem, straw or any other impurity and/or any other edible/non-edible seeds.

(2) Immature Shrivelled and dead: are the seeds which are imperfectly developed and/or strunken, Dead seeds are those seeds which are duds and can be easily crushed by fingers.

(3) Damaged discoloured and slightly Damaged: are the seeds that are materially or internally damaged or discoloured, so as to affect the quality of the material. Slightly damaged means the seeds which are superficially damaged or discoloured not materially affecting the quality.

SCHEDULE II
(See rule 5)
Grade designation mark



[No.10-9/80-AM]

सांकांनि० 935—केन्द्रीय सरकार कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नांकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, एरंड बीज श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1981 बनाना चाहती है। जैसा कि उक्त धारा में अपेक्षित है, प्रस्तावित नियमों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पेशीय दिन की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा।

इस प्रकार विनिर्दिष्ट अवधि के पूर्व उक्त प्रारूप की बाबत जो भी आक्षेप या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

प्राह्य नियम

1 संक्षिप्त नाम और लागू होना—इन नियमों का संक्षिप्त नाम एरंड बीज श्रेणीकरण और चिह्नांकन नियम, 1981 है।

(2) यह भारत में उत्पादित एरंड बीजों को लागू होगा।

2 परिभाषा—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,—

“पणन सलाहकार” से भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार अभिप्रेत है,

नियमों से समस्त कोई अनुषंगी अभिप्रेत है

या व्यक्ति निकाय अभिप्रेत है, जिसे कृषि विपणन सलाहकार ने नियमों के अर्धीत विहित श्रेणी मानकों और ने और एगमार्क चिह्न लागू करने के लिए, प्राधिकरण प्रमाणपत्र दिया है;

5. श्रेणी अधिधान चिह्न :—श्रेणी अधिधान चिह्न एक ऐसा लेबल होगा, जिसमें श्रेणी अधिधान विनिर्दिष्ट होगा और ऐसी डिजाइन बनी होगी जिसमें भारत का रूप रेखा मानचित्र, "एगमार्क" प्रबल और प्राइमस भाग इण्डिया तथा भारतीय उत्पाद शब्दों सहित उगते हुए धुने का चिह्न होगा, जो अनुसूची 2 में उपरिष्ठित चिह्न के सदृश होगा।

6. चिह्ननामक पद्धति—(1) श्रेणी अधिधान चिह्न कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति से, प्रत्येक पैकेज पर मजबूती से चिपकाया जाएगा।

(2) श्रेणी अधिधान के अतिरिक्त लेबल पर निम्नलिखित विनिर्दिष्ट भी स्पष्ट की जाएगी :

— (क) पैक का नाम और पता;

(ख) पैक करने की तारीख;

(ग) लाट संख्या

(घ) शुद्ध भाग : और

(ङ) कोई अन्य विनिर्दिष्ट, जो कृषि विपणन सलाहकार समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे।

(3) प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सलाहकार से पूर्व अनुमोदन अधिप्राप्त करने के पश्चात्, आधान पर अपना प्राइवेट व्यापार चिह्न उक्त अधिकारी द्वारा अनुमोदित रीति से अंकित कर सकेगा, परन्तु यह तब जब कि प्राइवेट व्यापार चिह्न इन नियमों के अनुसार आधान पर चिपकाए गए श्रेणी अधिधान चिह्न द्वारा उपरिष्ठित एरन्ड बीजों की क्वालिटी या श्रेणी से भिन्न क्वालिटी या श्रेणी उपरिष्ठित न करे।

7. पैक करने की पद्धति—(1) एरन्ड बीज मूए जूट के बैलों में या किसी अन्य प्रकार के आधान में तथा ऐसी दकता और ऐसी रीति में पैक किए जाएंगे, जो कृषि विपणन सलाहकार समय-समय पर विनिर्दिष्ट करे।

(2) पैकिंग सामग्री स्वच्छ और शुष्क होगी, फफून्/दूधण और कीट प्रजनन और विकृत गन्ध से मुक्त होगी।

(3) प्रत्येक पैकेज में एक ही किस्म के और एक ही श्रेणी अधिधान वाले एरन्ड बीज होंगे।

(4) प्रत्येक आधान की कृषि विपणन सलाहकार द्वारा विहित रीति में सुरक्षा रूप से बन्द और सील बन्द किया जाएगा।

अनुसूची

(नियम 3 और 4 देखिए)

एरन्ड बीजों का श्रेणी अधिधान और क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अधिधान		क्वालिटी की परिभाषा		साधारण लक्षण				
		विशेष लक्षण						
		भार (अधिकतम) द्वारा प्रतिशत						
विजातीय पदार्थ	अतिगन्ध विणिल-बीज	अपरिपक्व धारी-दार तथा खराब बीज	टूटे हुए बीज	अन्य बीज	धुने हुए बीज	तमी		
1	2	3	4	5	6	7	8	9
1.	2.0	5.0	2.0	0.5	0.5	1.0	7.0	एरन्ड बीज
2.	4.0	10.0	4.0	2.0	1.0	2.0	7.0	(1) धानस्पतिक रूप से रिसिनम
3.	6.0	15.0	6.0	5.0	2.0	4.0	7.0	कम्युनिस् लिन के रूप में ज्ञात पोषे से अधिप्राप्त किए जाएंगे ;

(2) सुविकसित, परिपक्व, साफ, शुष्क होंगे तथा धूल, चिह्नित गन्ध हानिकर पदार्थों कीट प्रजनन और रोधित मुक्त होंगे।

परिभाषाएं :—

- (1) विजातीय पदार्थः—पतियां, तने, कंकड़, चासफूस, भूसा, मिट्टी के टुकड़े और कोई अन्य बाह्य पदार्थ होंगे।
- (2) क्षतिग्रस्त और किञ्चित् क्षतिग्रस्त : क्षतिग्रस्त बीज ऐसे बीज होंगे, जो प्राकृतिक रूप से क्षतिग्रस्त हैं और तात्त्विक रूप से इस प्रकार विवर्णित हैं कि उससे क्वासिटी पर प्रभाव पड़ता है। किञ्चित् रूप से क्षतिग्रस्त बीज ऐसे बीज होंगे जो बाह्य रूप से या आंशिक रूप से इस प्रकार क्षतिग्रस्त हैं कि उनसे क्वासिटी पर प्रभाव नहीं पड़ता है।
- (3) अपरिपक्व और भुरीदार तथा खराब बीज :—ऐसे बीज होंगे, जो अपूर्ण रूप से विकसित और सिकुड़े हुए हैं। खराब बीज ऐसे होंगे, जो घासानो से, यदि उन्हें दो उंगलियों के बीज मसला जाए, जो, मसले जा सकते हैं।
- (4) टूटे हुए बीज :—ऐसे बीज होंगे, जो सम्बन्ध में दो टुकड़ों में टूटे हुए हैं।
- (5) अन्य भेदी बीज :—ऐसे बीज होंगे, जो एरण्ड बीजों से भ्रान्त हैं।
- (6) चुने बीज ऐसे बीज होंगे, जिसमें चुन या अन्य कीटाणु द्वारा आंशिक रूप से या पूर्ण रूप से छेद कर दिया गया है या जिन्हें खा लिया गया है।

अनुसूची 2

(नियम 5 देखिए)

श्रेणी अभियान चिह्न



[सं० 10-1/81-एएम]

G.S.R. 935.—The following draft of the Castor Seeds Grading and Marking Rules, 1981, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), is published as required by the said Section for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft shall be taken into consideration after the expiry of forty-five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection or suggestion which may be made by any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified shall be considered by the Government.

DRAFT RULES

1. Short title and application.—(1) These rules may be called the Castor Seeds Grading and Marking Rules, 1981

(2) They shall apply to Castor Seeds produced in India.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires :

(1) "Agricultural Marketing Adviser" means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India;

(2) "Schedule" means a Schedule appended to these rules;

(3) "Authorised Packer" means a person or a body of persons who has been granted a Certificate of Authorisation by the Agricultural Marketing Adviser, for getting the commodity graded and agmarked in accordance with the grade standards and procedure prescribed under the rules;

(4) "Certificate" means Certificate of Authorisation.

3. Grade designations.—The grade designation to indicate the quality of the Castor Seeds shall be as set out in column 1 of Schedule I.

4. Definition of quality.—The quality indicated by the grade designations shall be as set out against each grade designation in column 2 to 9 of Schedule I.

5. Grade designation mark.—The grade designation mark shall consist of a label specifying the grade designation and bearing a design consisting of an outline map of India with the word "AGMARK" and figure of the rising sun with the words "Produce of India" and "भारतीय उत्पाद" resembling the mark as set out in Schedule II.

6. Method of marking.—(1) The grade designation mark shall be securely affixed to each package in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(2) In addition to the grade designation, the following particulars shall also be clearly marked on the label :

(a) name and address of packer ;

(b) date of packing ;

(c) Lot number ;

(d) Net weight; and

(e) any other particulars, as may be specified by the Agricultural Marketing Adviser from time to time.

(3) The authorised packer may, after obtaining the prior approval of the Agricultural Marketing Adviser, mark his private trade mark on a container in a manner approved by the said officer, provided that the private trade mark does not represent a quality or grade of Castor Seeds different from that indicated by the grade designation mark affixed to the container in accordance with these rules.

7. Method of packing.—(1) Castor Seeds shall be packed in new B-twill jute bags or any other type of container and in such capacity and manner as may be specified from time to time by the Agricultural Marketing Adviser.

(2) Packing material shall be clean and dry, free from fungus contamination and insect infestation and obnoxious smell.

(3) Each package shall contain Castor Seeds of the same variety and of the same grade designation.

(4) Each container shall be securely closed and sealed in the manner prescribed by the Agricultural Marketing Adviser.

SCHEDULE I (See rule 3 and 4)

Grade designation and definition of quality of Castor Seeds

Grade designation	Definition of quality							General Characteristics
	Special characteristics							
	Per cent by weight (Maximum)							
	Foreign matter	Damaged dis-coloured seeds	Immature and shrivelled and dead seeds	Broken seeds	Other oil-seeds	Weevilled seed	Moisture	
1	2	3	4	5	6	7	8	9
I	2.0	5.0	2.0	0.5	0.5	1.0	7.0	Castor Seeds shall:
II	4.0	10.0	4.0	2.0	1.0	2.0	7.0	(1) be obtained from the plant botanically known as <i>Ricinus Communis</i> Linn;
III	6.0	15.0	6.0	5.0	2.0	4.0	7.0	(2) be well-developed, mature, clean, dry and free from dirt, obnoxious smell, deleterious substances, insect infestation and rodent contamination, (3) not show any visible signs of mould attack; (4) be reasonably, uniform in shape, size and colour.

Definitions:

1. Foreign matter :—Shall be leaves, stems, stones, straw, chaff, lumps of earth and any other extraneous matter.

2. Damaged and slightly damaged :—Damaged shall be the seeds which are internally damaged and discoloured materially affecting the quality. Slightly damaged shall be the seeds which are externally or partly damaged without affecting the quality.

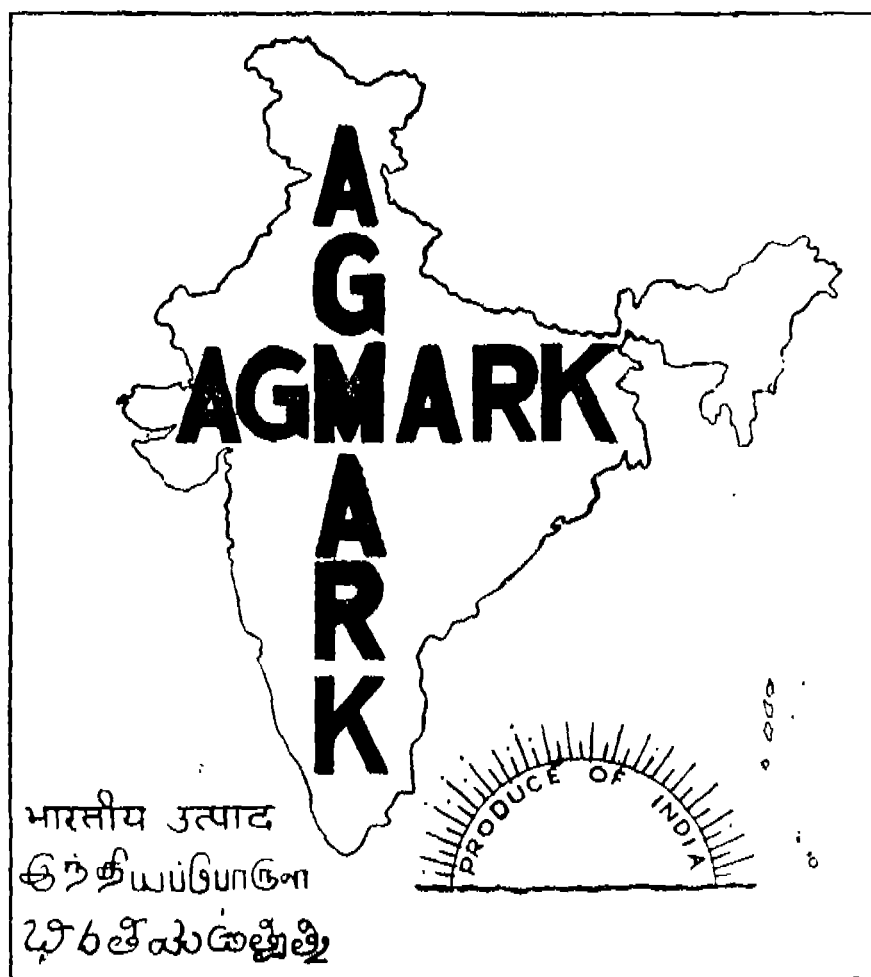
3. Immature and shrivelled and dead seeds :—Shall be the seeds which are imperfectly developed and shrunken. Dead seeds shall be those seeds which can be easily crushed, if crushed between two fingers.

4. Broken seeds :—Shall be the seeds which are broken in two halves length-wise.

5. Other oil seeds :—Shall be the oilseeds other than castor seeds.

6. Weevilled seeds :—Shall be the seeds which are wholly or partly bored or eaten by the weevils.

Schedule II
(See rule 5)
Grade designation mark



[No. 10-1/81-AM]

सं० का० नि० 936--केंद्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नानकन) अधिनियम, 1937 (1937 का 1) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, अलसी बीज श्रेणीकरण और चिह्नानकन नियम, 1981 बनाना चाहती है। जैसा कि उक्त धारा में अर्पित है, प्रस्तावित नियमों का निम्नलिखित प्ररूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उमसे प्रभावित होने की संभावना है। इनके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्ररूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशित की तारीख के पैंतालीस दिनों की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा।

इस प्रकार बनिश्चित अवधि के पूर्व उक्त प्ररूप की बाबत जो भी आक्षेप सूझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केंद्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

प्राप्ति नियम

1. संक्षिप्त नाम और लागू होना:--इन नियमों का संक्षिप्त नाम अलसी बीज श्रेणीकरण और चिह्नानकन नियम, 1981 है।

(2) ये भारत में उत्पादित अलसी बीजों की लागू होंगे।

2. परिभाषाएं:--इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अर्पित न हो:--

(1) "कृषि विपणन सलाहकार" से भारत सरकार का कृषि विपणन सलाहकार अभिप्रेत है,

(2) "अनुसूची" से इन नियमों से संलग्न कोई अनुसूची अभिप्रेत है;

(3) "प्राधिकृत पैकर" से ऐसा व्यक्ति या व्यक्ति निकाय अभिप्रेत है जिसे कृषि विपणन सलाहकार ने नियमों के अधीन विहित श्रेणी मानकों और प्रक्रिया के अनुसार वस्तु की श्रेणीकृत कराने और एगमार्क चिह्न लगवाने के लिए प्राधिकरण प्रमाणपत्र दिया है;

(4) "प्रमाणपत्र" से प्राधिकरण प्रमाणपत्र अभिप्रेत है।

3. श्रेणी अभिधान: अलसी बीजों की क्वालिटी वर्गीकृत करने वाला श्रेणी अभिधान वह होगा जो अनुसूची 1 के स्तम्भ में उपर्युक्त है।

4. क्वालिटी की परिभाषा श्रेणी अभिधानों द्वारा उपर्युक्त क्वालिटी वह होगी जो अनुसूची 1 के स्तम्भ 2 से 8 में प्रत्येक श्रेणी अभिधान के सामने उपर्युक्त है।

5. श्रेणी अभिधान बिहून् श्रेणी अभिधान बिहून् एक ऐसा लेबल होगा जिसमें श्रेणी अभिधान विनिर्दिष्ट होना और ऐसी डिजाइन बनी होगी जिसमें भारत का रूप रेखा मानचित्र, "एगमार्क" शब्दों और (Produce of India) तथा "भारतीय उत्पाद" शब्दों सहित उगते हुए सूर्य का चित्र होगा, जो अनुसूची 2 में उपर्युक्त बिहून् के सदस्य होगा।

6. बिहून् बन पड़ति (1) श्रेणी अभिधान बिहून् कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति से, प्रत्येक पैकेज पर मजबूती से चिपकाया जाएगा

(2) श्रेणी अभिधान के प्रतिरिक्त लेबल पर निम्नलिखित विनिर्दिष्ट भी स्पष्टतः दी जाएंगी :

(क) पैकेज का नाम और पता ;

(ख) पैक करने की तारीख ,

(ग) लाट संख्या ;

(घ) शुद्ध भार ; और

(ङ) कोई अन्य विनिर्दिष्ट, जो कृषि विपणन सलाहकार समय-समय पर विनिर्दिष्ट करें।

(3) प्राधिकृत पैकेज, कृषि विपणन सलाहकार से पूर्व अनुमोदन अभिप्राप्त करने के पश्चात् आधान पर अपना प्राइवेट व्यापार बिहून् उक्त अधिकारी द्वारा अनुमोदित रीति से अंकित कर सकेगा परन्तु यह तब जब कि प्राइवेट व्यापार बिहून् इन नियमों के अनुसार आधान पर चिपकाए गए श्रेणी अभिधान बिहून् द्वारा उपर्युक्त प्रसूची बीजों की क्वालिटी या श्रेणी से भिन्न क्वालिटी या श्रेणी उपर्युक्त न करें।

7. पैक करने की पद्धति (1) प्रसूची के बीज नए बी-ट्वील जूट के थैलों में या किसी अन्य प्रकार के आधान में तथा ऐसी संरचना और ऐसी रीति में पैक किए जाएंगे, जो कृषि विपणन सलाहकार समय-समय पर विनिर्दिष्ट करें।

(2) पैकिंग सामग्री स्वच्छ और शुष्क होगी, कंकड़ी, दुषण और कीट प्रसून तथा विकृत गंध से मुक्त होगी।

(3) प्रत्येक पैकेज में एक ही किस्म के और एक ही श्रेणी अभिधान वाले प्रसूची बीज होंगे।

(4) प्रत्येक आधान को कृषि विपणन सलाहकार द्वारा बिहून् रीति में सुरक्षित रूप से बन्द और सील बन्द किया जाएगा।

अनुसूची 1

(धियम 3 और 4 देखिए)

प्रसूची बीजों का श्रेणी अभिधान और क्वालिटी की परिभाषा

श्रेणी अभिधान		क्वालिटी की परिभाषा विशेष लक्षण					
		भार (अधिकतम) द्वारा प्रतिशत					
विज्ञातीय पदार्थ अतिप्रस्त और किंचित रूप से अतिप्रस्त बीज	अपरिपक्व भुरी	अन्य तेल बीज	धुने बीज	नमी अंश	साधारण लक्षण		
1	2	3	4	5	6	7	8
1.	2.0	2.0	1.0	1.0	0.5	8.0	प्रसूची बीजः—
2.	4.0	4.0	3.0	2.0	1.5	8.0	(1) बाह्यस्थिति रूप से लिपम मुसीटेटीसीस्म लिन के रूप में ज्ञात पोथे से अभिप्राप्त किए जाएंगे।
3.	6.0	8.0	6.0	3.0	3.0	8.0	(2) युक्तितल, परिपक्व, साफ, मुष्क होंगे और धूल, विकृत गंध हानिकारक पदार्थों, कीट प्रसून और रोधित संवृषण से मुक्त होंगे।
							(3) कंकड़ी का दूष्यमान कोई बिहून् बर्तित नहीं होगा ;
							(4) आकृति, आकार और रंग में युक्तियुक्त रूप से एक समान होंगे।
							(5) अच्छे विपणन योग्य स्थिति में होंगे।

परिभाषाएं :

1. विज्ञातीय पदार्थ : पनिया, तने, कंकड़, भासफूस, भुभा, मिट्टी के टुकड़े और कोई अन्य बाह्य पदार्थ होंगे।

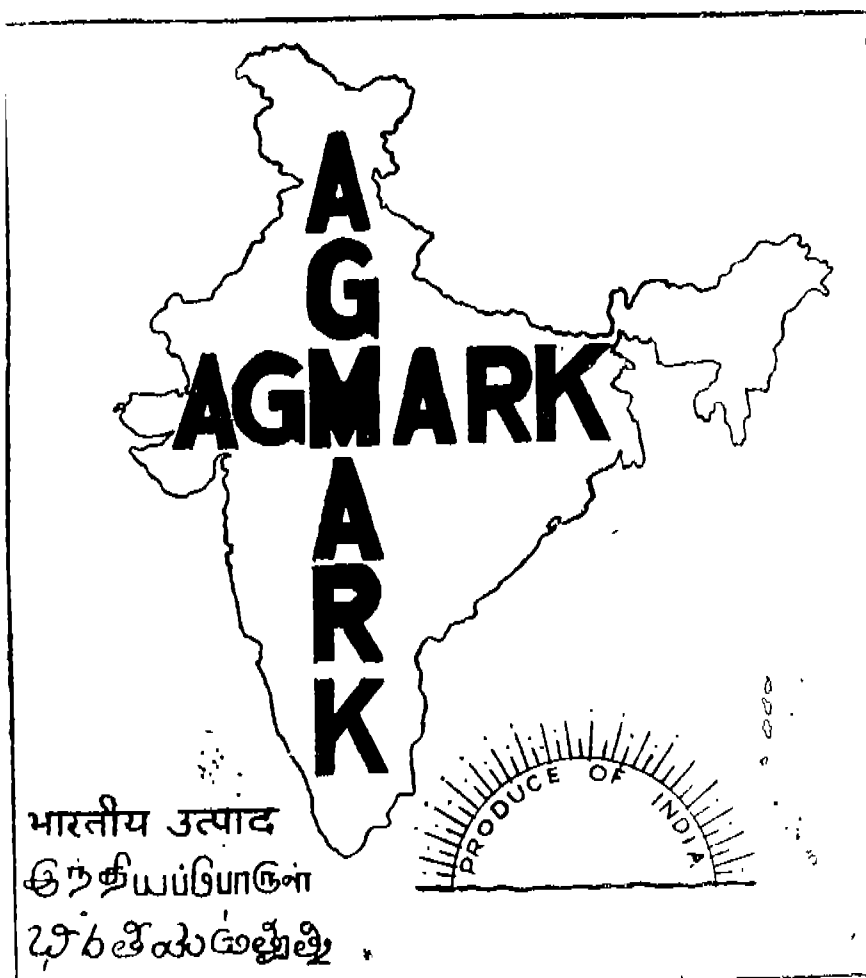
2. अतिप्रस्त और किंचित रूप से अतिप्रस्त : अतिप्रस्त बीज ऐसे बीज होंगे, जो आन्तरिक रूप से अतिप्रस्त है या तात्विक रूप से इस प्रकार विवर्णित है कि उससे क्वालिटी पर प्रभाव पड़ता है। किंचित रूप से अतिप्रस्त बीज ऐसे बीज होंगे, जो बाह्य रूप से या प्राथमिक रूप से इस प्रकार अतिप्रस्त है कि इससे क्वालिटी पर प्रभाव नहीं पड़ता है।

3. अपरिपक्व और भुरी/बार तथा खराब बीज : ऐसे बीज होंगे, जो अपूर्ण रूप से विकसित और सिक्के हुए हैं — खराब बीज ऐसे बीज होंगे जो भासानी से, यदि उन्हें दो उंगलियों के बीच मसला जाए तो, मसले जा सकते हैं।

4. अन्य तेल बीज : ऐसे तेल बीज होंगे, जो प्रसूची बीजों से भिन्न हैं।

5. धुने बीज : ऐसे बीज होंगे, जिनमें धुन या अन्य कीटाणुनाशक द्वारा प्राथमिक रूप से पूर्ण रूप से छेद कर दिया गया है या जिन्हें खा लिया गया है।

अनुसूची 2
(नियम 5 देखिए)
श्रेणी अभिधान चिह्न



[सं० 10-1/81-ए एम]

G.S.R. 936.—The following draft of the Linseeds Grading and Marketing Rules, 1981 which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), is published as required by the said Section for the information of all persons likely to be affected thereby; and notice is hereby given that the said draft shall be taken into consideration after the expiry of forty-five days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified shall be considered by the Central Government.

DRAFT RULES

1. Short title and application.—(1) These rules may be called the Linseeds Grading and Marking Rules, 1981.

(2) They shall apply to Linseeds produced in India.

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires :

(1) "Agricultural Marketing Adviser" means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India;

(2) "Schedule" means a Schedule appended to these rules;

(3) "Authorised packer" means a person or a body of persons who has been granted a Certificate of Authorisation by the Agricultural Marketing Adviser, for getting the commodity graded and ag-marked in accordance with the grade standards and procedure prescribed under the rules;

(4) "Certificate" means Certificate of Authorisation.

3. Grade designation.—The grade designation to indicate the quality of the Linseeds shall be as set out in column of Schedule I.

4. Definition of quality.—The quality indicated by the grade designations shall be as set out against each grade designations in columns 2 to 8 of Schedule I.

5. Grade designation mark.—The grade designation mark shall consist of a label specifying the grade designation and bearing a design consisting of an outline map of India with the word "AGMARK" and figure of the rising sun with the words "Produce of India" and "भारतीय उत्पाद" resembling the mark as set out in Schedule II

6. Method of marking.—(1) The grade designation mark shall be securely affixed to each package in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser.

(2) In addition to the grade designation, the following particulars shall also be clearly marked on the label :

- (a) name and address of the packer ;
- (b) date of packing ;
- (c) Lot number;
- (d) net weight; and
- (e) any other particulars, as may be specified by the Agricultural Marketing Adviser, from time to time

(3) The authorised packer may, after obtaining the prior approval of the Agricultural Marketing Adviser, mark his private trade mark on a container in a manner approved by the said officer, provided that the private trade mark

does not represent a quality or grade of Linseeds different from that indicated by the grade designation mark affixed to the container in accordance with these rules.

7. Method of packing.—(1) Linseeds shall be packed in new B-twill jute bags or any other type of container and in such capacity and manner as may be specified from time to time by the Agricultural Marketing Adviser.

(2) Packing material shall be clean and dry, free from fungus contamination and insect infestation and obnoxious smell.

(3) Each package shall contain Linseeds of the same variety and of the same grade designation.

(4) Each container shall be securely closed and sealed in the manner prescribed by the Agricultural Marketing Adviser.

SCHEDULE I

(See rule 3 and 4)

Grade designation and definition of quality of Linseeds.

Grade designation	Definition of quality						General Characteristics
	Special characteristics						
	(Percentage by weight, Maximum)						
	Foreign matter	Damaged and slightly damaged seeds	Immature and shrivelled and dead seeds	Other oil seeds	Weevilled seeds	Mouldy content	
1	2	3	4	5	6	7	8
I	2.0	2.0	1.0	1.0	0.5	8.0	The Linseeds shall :
II	4.0	4.0	3.0	2.0	1.5	8.0	(1) be obtained from the plant botanically known as <i>Linum usitatissimum</i> Linn.
III	6.0	8.0	6.0	3.0	3.0	8.0	(2) be well-developed, mature, clean, dry and free from dirt, obnoxious smell deleterious substances, insect infestation and rodent contamination. (3) not show any visible signs of mould attack ; (4) be reasonably uniform in shape, size and colour. (5) be in sound merchantable condition.

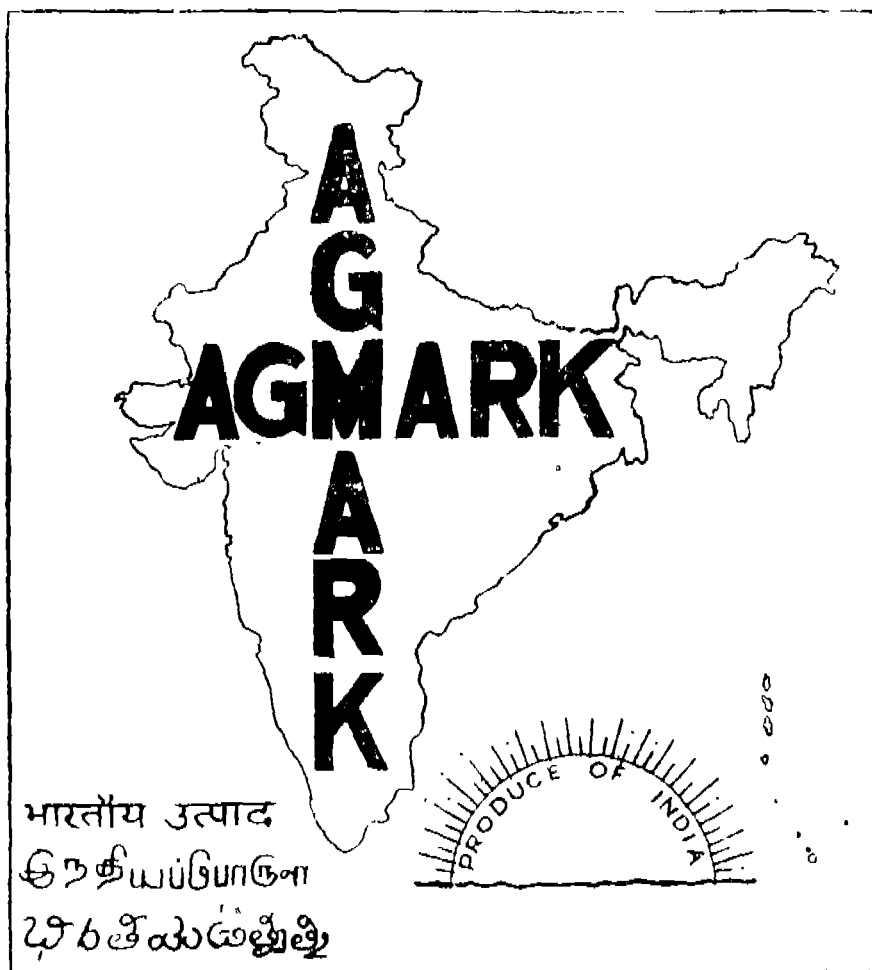
Definitions:

1. Foreign matter : shall be leaves, stems, stones, straw, chaff, lumps of earth and any other extraneous matter
2. Damaged and slightly damaged : Damaged shall be the seeds which are internally damaged or discoloured materially affecting the quality. Slightly damaged shall be the seeds which are externally or partly damaged without affecting the quality.
3. Immature and shrivelled and dead seeds : Shall be the seeds which are imperfectly developed and shrunken. Dead seeds shall be those seeds which can be easily crushed, if crushed between two fingers.
4. Other oil seeds : shall be the oil seeds other than linseeds.
5. Weevilled seeds : shall be the seeds which are wholly or partly bored or eaten by the weevils.

SCHEDULE II

(See rule 5)

Grade designation mark



[No 10-1/81-AM]

सं० का० नि० १३७.—केन्द्रीय सरकार, कृषि उपज (श्रेणीकरण और चिह्नानुक्रम) अधिनियम, १९३७ (१९३७ का १) की धारा ३ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, गोद कराया श्रेणीकरण और चिह्नानुक्रम नियम, १९८१ बनाना चाहती है। जैसा कि उक्त धारा में अपेक्षित है, प्रस्तावित नियमों का निम्नलिखित प्रारूप उन सभी व्यक्तियों की जानकारी के लिए प्रकाशित किया जा रहा है, जिनके उससे प्रभावित होने की संभावना है। इसके द्वारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रारूप पर इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से पैंतालीस दिन की समाप्ति के पश्चात् विचार किया जाएगा।

इस प्रकार विनिविष्ट अवधि के पूर्व उक्त प्रारूप की बाबत जो भी आक्षेप या सुझाव किसी व्यक्ति से प्राप्त होंगे, केन्द्रीय सरकार उन पर विचार करेगी।

प्राच्य नियम

- संक्षिप्त नाम और लागू होना—इन नियमों का संक्षिप्त नाम गोद कराया श्रेणीकरण और चिह्नानुक्रम नियम, १९८१ है।
- ये भारत में उत्पादित गोद कराया को लागू होंगे।
- परिभाषाएँ:—इन नियमों में, जब तक कि संदर्भ से अन्यथा अपेक्षित न हो,
 - “कृषि विपणन मलाहकार” से भारत सरकार का कृषि विपणन मलाहकार अभिप्रेत है,
 - “अनुसूची” से इन नियमों से संलग्न कोई अनुसूची अभिप्रेत है;
 - “प्राधिकृत पैकर” से ऐसा व्यक्ति या व्यक्ति-निकाय अभिप्रेत है, जिसे कृषि विपणन मलाहकार ने नियमों के अधीन विहित श्रेणी मानकों और प्रक्रिया के अनुसार वस्तु को श्रेणीकृत कराने और एगमाकं चिह्न लगवाने के लिए प्राधिकरण प्रमाणपत्र दिया है,
 - “प्रमाणपत्र” से प्राधिकरण प्रमाणपत्र अभिप्रेत है—
- श्रेणी अधिधान: गम कराया की क्वालिटी उपदर्शित करने वाला श्रेणी अधिधान वह होगा, जो अनुसूची १ के स्तम्भ १ में उपवर्णित है।

4 क्वालिटी की परिभाषा: श्रेणी अभिधानों द्वारा उपर्युक्त क्वालिटी वह होगी, जो अनुसूची 1 के स्तम्भ 2 से 4 में प्रत्येक श्रेणी अभिधान के सामने उपर्युक्त है।

5 श्रेणी अभिधान चिह्न: श्रेणी अभिधान चिह्न एक ऐसा लेबल होगा जिसमें श्रेणी अभिधान विनिर्दिष्ट होगा और ऐसी डिजाइन बनी होगी जिसमें भारत का रूप रेखा मानचित्र, "एमआरके" गन्ध और "भारतीय उत्पाद" तथा "प्रोड्यूस आफ इण्डिया" शब्दों सहित उगते हुए सूर्य का चिह्न होगा, जो- अनुसूची 2 में उपर्युक्त चिह्न के समूह होगा।

6 चिह्नकान पद्धति (1) श्रेणी अभिधान चिह्न कृषि विपणन सलाहकार द्वारा अनुमोदित रीति से, प्रत्येक पैकेज पर मजबूती से छिपकाया जाएगा।

(2) श्रेणी अभिधान के अतिरिक्त लेबल पर निम्नलिखित विनिर्दिष्ट भी स्पष्टतः दी जाएंगी:

(क) फसली मौसम

(ख) शुद्ध भार;

(ग) पैक करने का स्थान;

(घ) पैक करने की तारीख; और

(ङ) कोई अन्य विनिर्दिष्ट, जो कृषि विपणन सलाहकार समय-समय पर विनिर्दिष्ट करें।

(3) प्राधिकृत पैकर, कृषि विपणन सलाहकार से पूर्व अनुमोदन अभिप्राप्त करने के पश्चात् आधान पर अपना प्राइवेट व्यापार चिह्न उक्त आधानों द्वारा अनुमोदित रीति से अंकित कर सकेगा, परन्तु वह तब जब कि प्राइवेट व्यापार चिह्न इन नियमों के अनुसार आधान पर चिराए गए श्रेणी अभिधान चिह्न द्वारा उपर्युक्त गम कराया की क्वालिटी या श्रेणी से भिन्न क्वालिटी या श्रेणी उपर्युक्त न करें।

7 पैक करने की पद्धति—(1) गम कराया बोहरे जूट के बौलों में या किसी अन्य प्रकार के आधान में तथा ऐसी क्षमता और ऐसी रीति में पैक किया जाएगा, जो कृषि विपणन सलाहकार समय-समय पर विनिर्दिष्ट करें।

(2) पैकिंग सामग्री स्वच्छ और शुष्क होगी, फर्फूदी वृषण और कीट प्रसन्न तथा विकृत गन्ध से मुक्त होगी।

(3) प्रत्येक पैकेज में एक ही फसली मौसम के और एक ही श्रेणी अभिधान वाला गोब कराया होगा।

(4) प्रत्येक पैकेज को कृषि विपणन सलाहकार द्वारा विहित रीति में सुरक्षित रूप से बन्ध और सील बन्ध किया जाएगा।

अनुसूची 1

(नियम 3 और 4 देखिए)

गोब कराया (क्रिस्टल), जो आणविक रूप से कानिवा, कराया या कुल्दी के रूप में जाना जाता है, का श्रेणी अभिधान और क्वालिटी की परिभाषा

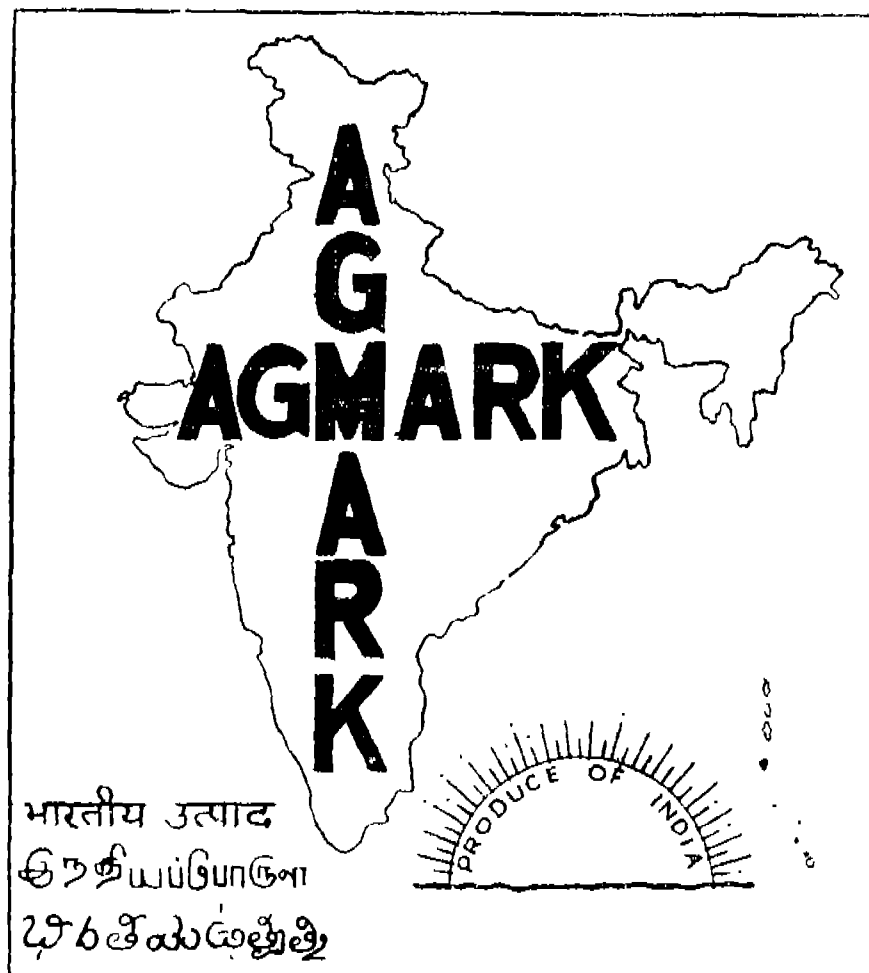
श्रेणी अभिधान	क्वालिटी की परिभाषा विशेष लक्षण		विजातीय पदार्थ की भार (अधिकतम) द्वारा प्रतिशत	साधारण लक्षण
	रंग	ग्रीनकान मानसून की फसल 2(क)		
सर्वम फसल 2(फ)				
1	2	3	4	
सं० 1 हल्के भूरे और पीले जैसे रंग वाला सफेद	हल्का सफेद	1.5	गोब कराया क्रिस्टल :—	
सं० 2 पीले पीले से हल्के काले और भूरे तक	हल्के सफेद से धूसराभ और प्रपीनारक्त तक	3.0	(1) स्टैक्पू किया यूरेन्स पीछे के रिखाब से अभिप्राप्त किए जाएंगे।	
सं० 3 भूरा और हल्के काले जैसा गहरा भूरा रंग	हल्के पीले से गहरे भूरे तक	5.0	(2) युक्तियुक्त रूप से शुष्क आकार और आकृति में एक समान होंगे।	
सं० 4 गहरे भूरे से काले तक	हल्के भूरे से काले तक	8.0	(3) रॉबेंट उत्सर्ग, रॉबेंट गन्धों और बाल, फर्फूदी, कीट प्रसन्न से मुक्त होंगे।	
सं० 5 काला और मिश्रित	काला और मिश्रित	10.0	(4) उनमें बिलेयता का गुण होगा।	

परिभाषा : विजातीय पदार्थ: छाल, बल्क, पतिया, धूल, मैल, कफड़, गोब कराया से भिन्न टुकड़े या कोई अन्य कार्बोनिमिक और अकार्बोनिमिक पदार्थ होंगे।

अनुसूची 2

(नियम 5 देखिए)

श्रेणी प्रतिष्ठान चिह्न



[सं. 11-4/81-ए एम]

गन्धर्व सिंह प्रवर सचिव

G.S.R. 937.—The following draft of the Gum Karaya Grading and Marking Rules, 1981, which the Central Government proposes to make in exercise of the powers conferred by Section 3 of the Agricultural Produce (Grading and Marking) Act, 1937 (1 of 1937), is published as required by the said Section for the information of all persons likely to be affected thereby, and notice is hereby given that the said draft shall be taken into consideration after the expiry of fortyfive days from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

Any objection or suggestion which may be received from any person with respect to the said draft before the expiry of the period so specified shall be considered by the Central Government

DRAFT RULES

1. Short title and application.—(1) These rules may be called the Gum Karaya Grading and Marking Rules, 1981

(2) They shall apply to Gum Karaya produced in India

2. Definitions.—In these rules, unless the context otherwise requires :—

(1) "Agricultural Marketing Adviser" means the Agricultural Marketing Adviser to the Government of India;

(2) "Schedule" means Schedule appended to these rules,

789 GI/81—7

(3) "Authorised packer" means a person or a body of persons who has been granted a certificate of authorisation by the Agricultural Marketing Adviser, for getting the commodity graded and agmarked in accordance with grade standards and procedure prescribed under these rules;

(4) "Certificate" means certificate of authorisation.

3. Grade designation.—The grade designation to indicate the quality of the Gum Karaya shall be as set out in column 1 of Schedule I.

4. Definition of quality.—The quality indicated by the grade designations shall be as set out against each grade designations in columns 2 to 4 of Schedule I

5. Grade designation mark.—The grade designation mark shall consist of a label specifying the grade designation and bearing a design consisting of an outline map of India with the word "AGMARK" and figure of the rising sun with the words "Produce of India" and "भारतीय उत्पाद" resembling the mark as set out in Schedule II.

6. Method of marking.—(1) The grade designation mark shall be securely affixed to each container in a manner approved by the Agricultural Marketing Adviser

(2) In addition to the grade designation, the following particulars shall also be clearly marked on the label :

- (a) Crop season ;
- (b) Net weight ;
- (c) Place of packing ;
- (d) Date of packing ; and

(e) Any other particulars, as may be specified by the Agricultural Marketing Adviser from time to time.

(3) The authorised packer may, after obtaining the prior approval of the Agricultural Marketing Adviser, mark his private trade mark on a container in a manner approved by the said officer, provided that the private trade mark does not represent a quality or grade of Gum Karaya different from that indicated by the grade designation mark affixed to the container in accordance with these rules.

7. Method of packing.—(1) Gum Karaya shall be packed in double gunny bags or any other type of container of such capacity and in such manner as may be specified from time to time by the Agricultural Marketing Adviser. Whilst the inner bag shall be clean and sound, the outer bag shall be completely new.

(2) Packing material shall be clean and dry, free from fungus and insect attack and obnoxious smell.

(3) Each package shall contain Gum Karaya of the same crop season and of the same grade designation.

(4) Each package shall be securely closed and sealed in the manner prescribed by the Agricultural Marketing Adviser.

SCHEDULE I

(See rule 3 and 4)

Grade designation and definition of quality of Gum Karaya (crystals) commercially known as Katila, Karaya or Kullo.

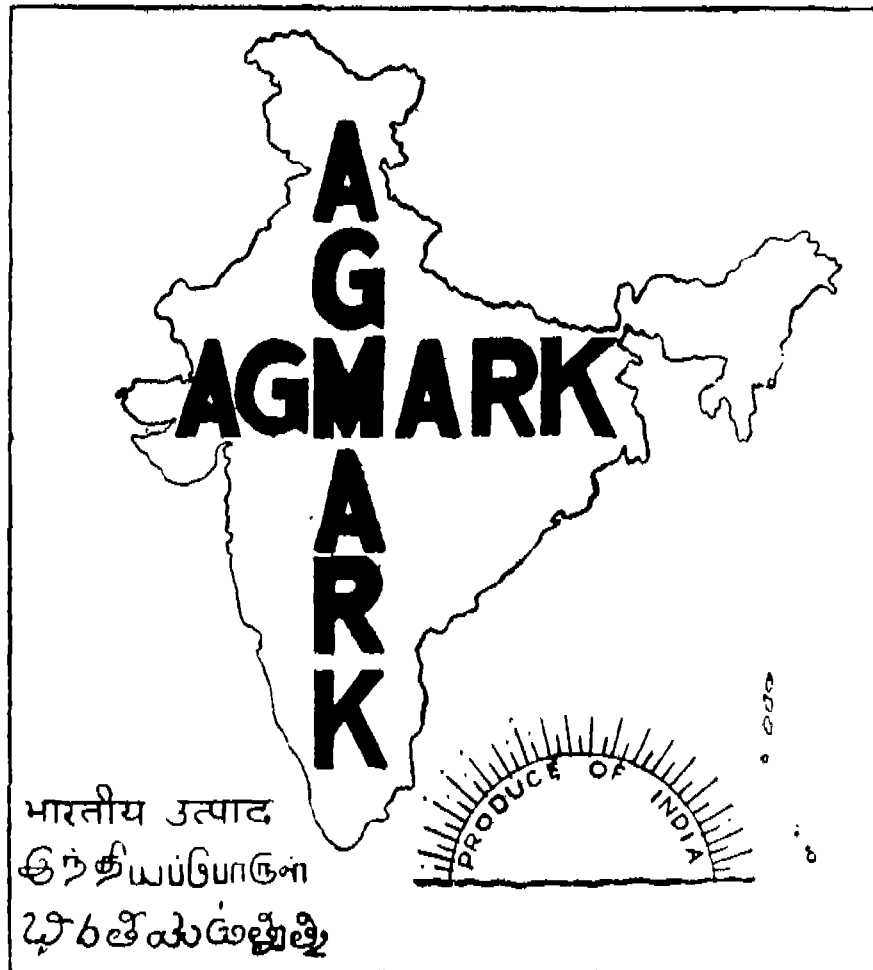
Grade designation	Definition of quality			
	Special characteristics		General characteristics	
	Colour		Foreign matter	
	Summer crop	Winter/monsoon crop	percent by weight (Maximum)	
1	2 (a)	2 (b)	3	4
No. 1	White with slight grey and yellow cast	Dull White	1.5	Gum Karaya crystals shall : (1) be derived from the exudes of the plant <i>Sterculia Urens</i> .
No. 2	Pale yellow to light tan and brown	Dull white to grayish to amber	3.0	(2) be reasonably dried, uniform in shape and size.
No. 3	Brown and dark brown with slight black cast	Dull yellow to brown dark	5.0	(3) be free from rodent excreta, rodent filth and hair, fungus attack, insect infestation.
No. 4	Dark brown to black	Dull brown to black	8.0	(4) have characteristic solubility.
No. 5	Black and mixed	Black and Mixed	10.0	

Definition : Foreign matter : Shall be bark, leaves, dust, dirt, stone, pieces or any other organic and inorganic matter other than Gum Karaya.

SCHEDULE II.

(See rule 5)

Grade designation mark.



[No. 11-4/81-AM]
GANDHARY SINGH,
Under Secy.

नई दिल्ली, 28 सितम्बर, 1981

सां. का. नि. 938.—ग्रामीण पुनर्निर्माण मंत्रालय की 12-8-1981 की अधिसूचना में आंशिक संशोधन करते हुए, समिति के गठन में एतद्वारा निम्नलिखित संशोधन किया जाता है:—

श्री पी० आर० दुभाषी, अपर सचिव, कृषि तथा सहकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय—सदस्य, के स्थान पर निम्नलिखित को प्रतिस्थापित किया जाएगा:—

“श्री पी० एस० कोहली, अपर सचिव, कृषि तथा सहकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय—सदस्य”

[मिसिल सं० आई० 12011/61/81-सी० एण्ड पी० (वास्तु 2)]
अतुल सिन्हा, उप सचिव

New Delhi, the 28th September, 1981

G.S.R. 938.—In partial modification of Ministry of Rural Reconstruction notification dated 12-8-81, the following amendment is hereby made in the composition of the Committee:—

In place of Shri P. R. Dubhashi, Additional Secretary, Deptt. of Agriculture and Cooperation, Ministry of Agriculture.....Member, the following shall be substituted:—

“Shri P. S. Kohli, Additional Secretary, Department of Agriculture and Cooperation, Ministry of Agriculture. Member.”

[File No. I, 12011/61/81-C&P (Vol. II)]
ATUL SINHA, Dy. Secy.

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

नई दिल्ली, 26 सितम्बर, 1981

सांकांनि० 939—राष्ट्रपति, सचिवालय के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, आकाशवाणी (समूह 'क') भर्ती नियम, 1963* में और सशोधन करने के लिए एतद्वारा निम्नलिखित नियम बनाते हैं, अर्थात् —

1 इन नियमों का संक्षिप्त नाम आकाशवाणी (समूह 'क') भर्ती (तृतीय सशोधन) नियम, 1981 है।

2 ये नियम सरकारी राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

आकाशवाणी (समूह "क") भर्ती नियम, 1963 की अनुसूची में, केन्द्र निदेशक व पद से संबंधित क्रम संख्या 5 और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित क्रम संख्या और प्रविष्टियाँ प्रतिस्थापित की जाएंगी, अर्थात् —

* 23 दिसम्बर, 1963 को सांकांनि०-24 के अन्तर्गत अधिसूचित। इसके बाद इन नियमों में पञ्चम सशोधन अधिसूचित किए गए और इसलिए इन सभी सशोधनों के गजट संदर्भों को फुट नोट में शामिल करना सुबह है।

क्रम संख्या	पद का नाम	पदों की संख्या	वर्गीकरण	वैतनमान	चयन पद अथवा प्रचयन पद	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए आयु सीमा	क्या सेवा में जोड़े गए वर्षों का लाभ केन्द्रीय सिविल सेवा (पेंशन) नियम, 1972 के नियम 30 के अन्तर्गत अनुज्ञेय है।	सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए शैक्षिक तथा अन्य अर्हताएं
-------------	-----------	----------------	----------	---------	-----------------------	---	--	--

1	2	3	4	5	6	7	7(क)	8
5	(1) केन्द्र निदेशक-15	21* (1981)	साधारण केन्द्रीय सेवा समूह 'क' राजपत्रित	1500-60- 1800-100-	चयन	नागू नहीं होता	नागू नहीं होता	नागू नहीं होता
(2)	कार्यक्रम निदेशक (सीति)-1			2000 रुपए				
(3)	निदेशक, विदेश सेवा प्रभाग-1							
(4)	निदेशक, कर्मचारी प्रशिक्षण सस्त्रान (कार्यक्रम-1)							
(5)	निदेशक (कार्यक्रम योजना और विकास) 1							
(6)	बित्री निदेशक 1							
(7)	अतिरिक्त निदेशक विदेश सेवा प्रभाग-1							

* कार्यभार के आधार पर परिवर्तन के अधीन।

क्या सीधे भर्ती किए जाने वाले व्यक्तियों के लिए निर्धारित आयु तथा शैक्षिक अर्हताएं पदोन्नति की वषा में लागू होगी	परिवीक्षा की अवधि यदि कोई हो	भर्ती की पद्धति-भर्ती सीधे होगी या प्रोन्नति द्वारा या प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा तथा विभिन्न पद्धतियों से भरी जाने वाली रिक्तियों की प्रतिशतता	प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण द्वारा भर्ती की दशा में वे ग्रेड। अतः प्रोन्नति/प्रतिनियुक्ति/स्थानांतरण किया जाना है।	यदि विभागीय प्रोन्नति समिति है तो उसकी संरचना	भर्ती करने में किन-किन परिस्थितियों में सब लोक सेवा आयोग से परामर्श किया जाना है।
9	10	11	12	13	14
नागू नहीं होता	बो वर्ष	प्रोन्नति द्वारा	ग्रेड में 5 वर्ष की नियमित सेवा वाले निम्नलिखित अधिकारियों में से प्रोन्नति	समूह 'क' विभागीय प्रोन्नति समिति (प्रोन्नति पर विचार करने हेतु)	प्रोन्नति करता समय सब लोक सेवा आयोग से परामर्श करना

- | | | |
|--|---|---------------|
| (1) क्षेत्र निदेशक (साधारण ग्रेड) | 1 अध्यक्ष/सदस्य, संघ लोक सेवा आयोग—अध्यक्ष | प्रावश्यक है। |
| (2) कार्यक्रम निदेश | 2 सचिव/संयुक्त सचिव भूचना और प्रसारण मंत्रालय— | |
| (3) क्षेत्र निदेशक—विज्ञापन | सदस्य | |
| (4) उप निदेशक (विक्री) | 2 आकाशवाणी महानिदेशक | |
| (5) उप निदेशक (विदेश सेवा) | गवस्य। | |
| (6) योजना अधिकारी (कार्य-क्रम) | 4 दूरदर्शन महानिदेशक | |
| (7) उप निदेशक (कर्मचारी प्रशिक्षण कार्यक्रम) | सदस्य | |
| | समूह "क" विभागीय प्रोन्नति समिति | |
| | (पुष्टि पर विचार करन हेतु) | |
| | 1. सचिव/संयुक्त सचिव, भूचना और प्रसारण मंत्रालय—अध्यक्ष | |
| | 2 आकाशवाणी महानिदेशक | |
| | सदस्य— | |
| | 3. दूरदर्शन महानिदेशक— | |
| | सदस्य | |
| | 4 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति का उपयुक्त स्तर का एक अधिकारी—सदस्य | |
| | नोट:—पुष्टि से संबंधित विभागीय प्रोन्नति समिति को कार्यवाहिया सब लोक सेवा आयोग को अनुमोदनार्थ भेजी जायेगी। तथापि यदि इन्हें आयोग द्वारा अनुमोदित न किया जाए तो संघ लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष या सदस्य की अध्यक्षता में विभागीय प्रोन्नति समिति की नए सिरे से बैठक बुलाई जाएगी। | |

[संख्या 12019/1/81-बीए]]

भार०डी० जोशी, सचिव

MINISTRY OF INFORMATION AND BROADCASTING

New Delhi, the 26th September, 1981

G.S.R. 939.—In exercise of the powers conferred by the proviso to article 309 of the Constitution, the President hereby makes the following Rules further to amend the All India Radio (Group 'A') Recruitment Rules 1963, namely :—

1. These Rules may be called the All India Radio (Group 'A') Recruitment (Third Amendment) Rules 1981.

2 They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

In the Schedule to the All India Radio (Group 'A') Recruitment Rules, 1963 for serial No. 5 relating to the post of Station Director (Selection Grade) and the entries relating thereto, the following serial number and entries shall be substituted namely :—

"Notified under GSR 24 dated the 23rd December, 1963. Subsequently fifty-five amendments to these Rules were notified and, as such, it is unwieldy to include the Gazette references of all these amendments in the foot-note.

Sl.No.	Name of post	No. of post	Classification	Scale of pay	Whether selection post or non selection post.	Age limit for direct recruits	Whether benefit of added years of service admissible under rule 30 of the Central Civil Service (Pension) Rules, 1972	Educational and other qualifications required for direct recruits
1	2	3	4	5	6	7	7(a)	8
5.	(i) Station Director -15 (ii) Director of Programmes (Policy)- 1 (iii) Director, External Services Division - 1 (iv) Director, Staff Training Institute (Programme)- 1 (v) Director (Programme Planning & Development)- 1 (vi) Director of Sales- 1 (vii) Additional Director of External Services Division.	21* (1981)	General Central Service Group 'A' Gazetted.	Rs. 1500-60-1800-100-2000	Selection	Not applicable	Not applicable	Not applicable
	Whether age and educational qualifications prescribed for direct recruits will apply in the case of promotees	Period of probation, if any	Method of recruitment whether by direct recruitment or by promotion or by deputation transfer and percentage of the vacancies to be filled by various methods	In case of recruitment by promotion/ deputation / transfer, grades from which promotion/ deputation/transfer to be made	If a Departmental Promotion Committee exists what is its composition	Circumstances in which the Union Public Service Commission is to be consulted in making recruitment		
9	10	11	12	13	14			
Not applicable	2 years.	By promotion	Promotion from among the following officers with 5 years' regular service in the grade ; (i) Station Director (Ordinary Grade) (ii) Director of Programmes (iii) Station Director (Commercial) (iv) Deputy Director (Sales) (v) Deputy Director (External Services) (vi) Planning Officer (Programmes)	Group 'A' Departmental Promotion Committee (for considering promotion) (i) Chairman /Member, Union Public service Commission—Chairman (ii) Secretary / Joint Secretary, Ministry of Information and Broadcasting —Member. (iii) Director General, All India Radio —Member (iv) Director General Doordarshan—Member.	Consultation with the Union Public Service Commission necessary while making promotion			

8	9	10	11	12	13	14
			(vii) Deputy Director (Staff Training Programme).	2. Group 'A' Departmental Promotion Committee (for considering confirmation)		
				(i) Secretary/ Joint Secretary Ministry of Information & Broadcasting -Chairman.		
				(ii) Director General, All India Radio -Member.		
				(iii) Director General Doordarshan -Member.		
				(iv) An Officer of appropriate status belonging to the Scheduled Caste/ Scheduled Tribe. -Member.		
				Note : The Proceedings of the Departmental Promotion Committee relating to confirmation shall be sent to the Union Public Service Commission for approval. If however, these are not approved by the Commission a fresh meeting of the Departmental Promotion Committee to be presided over by the Chairman or a Member of the Union Public Service Commission shall be held.		

[No. 12019/1/81B(A)]
R.D. JOSHI, Under Secy.

अभ्यन्तर मंत्रालय

खान सुरक्षा महाविभाग

धनबाद, 28 सितम्बर, 1981

सं. कां. बि. 940—मुख्य खान निरीक्षक, कोयला खान विनियम, 1957 के विनियम 2 के खण्ड (23) और विनियम 173 के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्न सारणी के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट फर्म द्वारा विनिर्मित, उक्त सारणी के स्तंभ (1) में विनिर्दिष्ट विस्फोटक को सभी प्रथम स्तर वाले गैसीय कोयला खासों में उपयोग के लिए उपयुक्त अनुज्ञात विस्फोटक के रूप में और उक्त अनुज्ञात विस्फोटक के लिए उक्त सारणी के स्तंभ (3) में यथा विनिर्दिष्ट अनुज्ञेय अधिकतम भरण अधिसूचित करते हैं।

सारणी

विस्फोटक का नाम	फर्म का नाम	अनुज्ञेय अधिकतम प्रभार किसी एक गुनिका सुराख में
1	2	3
मोनोडाइन (पी० ई०-1-ए० ई०)	आई० टी० एल० केमिकल्स लि०, पी० बॉ० नं० 1 मनसुनगर (आई० ई०) पी० प्रो० हैदराबाद-500018 (ए० पी०)	800 ग्राम

[सं० 14 (14)/77-सामान्य/12854]

MINISTRY OF LABOUR

Directorate General Of Mines Safety

Dhanbad, the 28th September, 1981

G.S.R. 940.—In pursuance of clause (23) of Regulation 2 and clause (d) of Regulation 173 of the Coal Mines Regulations, 1957 the Chief Inspector of Mines hereby notifies the explosive specified in column (1) of the Table below manufactured by the firm specified in column (2) of the said Table to be permitted explosive suitable for use in all gassy coal mines/seams of First degree and further lays down the permissible maximum charge as specified in column (3) of the said Table for the said permitted explosive.

TABLE

Name of Explosive	Name of Firm	Permissible maximum charge in any shot-hole
(1)	(2)	(3)
MONODYNE (PE-1-AE)	The IDL Chemicals Ltd., Post Box No. 1, Sanatnagar, (IE), P.O. Hyderabad-500018, (A.P.)	800 gms.

[No. 14 (14)/77 Genl. /12854]

सं० का० वि० 941—मुख्य खान निरीक्षक, कोयला खान विनियम, 1957 के विनियम 2 के खण्ड (23) और विनियम 173 के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्न सारणी के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट फर्म द्वारा विनिर्मित उक्त सारणी के स्तंभ (1) में विनिर्दिष्ट विस्फोटक का सभी प्रथम स्तर वाले गैसीय कोयला खानों में उपयोग के लिए उपयुक्त अनुज्ञात विस्फोटक के रूप में और उक्त अनुज्ञात विस्फोटक के लिए उक्त सारणी के स्तंभ (3) में यथा विनिर्दिष्ट अनुज्ञेय अधिकतम धरण अधिसूचित करने हैं।

सारणी

विस्फोटक का नाम	फर्म का नाम	अनुज्ञेय अधिकतम प्रभार किसी एक गलिका मुराख में
(1)	(2)	(3)
परमाफ्लो-1 (मिश्रण पी० आर० एम०-53)	इन्डियन एक्सप्लोसिव्स लि०, पो० बों न० 9084 34, चौरंगी, कलकत्ता-700071, (फर्म के गोमिया स्थित कारखाना में विनिर्मित)	800 ग्राम

[संख्या 14 (4)/78-सामान्य/12855]

G.S.R. 941.—In pursuance of clause (23) of Regulation 2 and Clause (d) of Regulation 173 of the Coal Mines Regulation, 1957 the Chief Inspector of Mines hereby notifies the explosive specified in column (1) of the Table below manufactured by the firm specified in column (2) of the said Table to be permitted Explosive suitable for use in all gassy coal mines/seams of First Degree and further lays down the permissible maximum charge as specified in column (3) of the said Table for the said permitted Explosive.

TABLE

Name of Explosive	Name of Firm	Permissible maximum charge in any shot hole
(1)	(2)	(3)
PERMAFLO- 1 (Composition PRM-53)	The Indian Explosive Ltd. (Explosives Division) P. Box. No. 9084 34, Chowringhee, Calcutta-700071, (Place of manufacture—Gomia Factory)	800 gms.

[No. 14(4)/78.Genl/12855]

धनबाद, 29 सितम्बर 1981

सं० का० वि० 942.—मुख्य खान निरीक्षक, कोयला खान विनियम, 1957 के विनियम 2 के खण्ड (23) और विनियम 173 के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, निम्न सारणी के स्तंभ (2) में विनिर्दिष्ट फर्म द्वारा विनिर्मित उक्त सारणी के स्तंभ (1) में विनिर्दिष्ट विस्फोटक को सभी प्रथम स्तर वाले गैसीय कोयला खानों में उपयोग के लिए उपयुक्त अनुज्ञात विस्फोटक के रूप में और उक्त अनुज्ञात विस्फोटक के लिए उक्त सारणी के स्तंभ (3) में यथा विनिर्दिष्ट अनुज्ञेय अधिकतम धरण अधिसूचित करने हैं।

सारणी

विस्फोटक का नाम	फर्म का नाम	अनुज्ञेय अधिकतम प्रभार किसी एक गलिका मुराख में
(1)	(2)	(3)
अल्फाजैक्स , (मिश्रण जी० ई० 65)	इन्डियन एक्सप्लोसिव्स लि० (एक्सप्लोसिव्स डिविजन) पो० बों न० 9084 34, चौरंगी, कलकत्ता-700071 (फर्म के गोमिया स्थित कारखाना में विनिर्मित)	800 ग्राम

[सं० 14 (16)/76-सामान्य/12949]

एस० शंकरन, मुख्य खान निरीक्षक

Dhanbad, the 29th September, 1981

G.S.R. 942.—In Pursuance of clause (23) of Regulation 2 and clause (d) of Regulation 173 of the Coal Mines Regulations, 1957 the Chief Inspector of Mines hereby notifies the explosive specified in column (1) of the Table below manufactured by the firm specified in column (2) of the said Table to be permitted explosive suitable for use in all gassy coal mines/seams of First degree and further lays down the permissible maximum charge as specified in column (3) of the said Table for the said permitted explosive.

TABLE

Name of Explosive	Name of firm	Permissible maximum charge in any short hole
(1)	(2)	(3)
ALPHAGEX (Composition GE-65)	The Indian Explosive Ltd. (Explosive Division) P.B. No. 9084 34, Chowringhee, Calcutta-700071 (Place of manufacture—Gomia Factory)	800 gms

[No. 14 (16)/76.Genl/12949]

S. SANKARAN, Chief Inspector of Mines